

झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति के देवघर आगमन पर उपायुक्त ने किया स्वागत



खबरों की तह तक

देवघर। झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के देवघर आगमन पर रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को देवघर परिसदन में उपायुक्त सह जिला डंडाधिकारी सौरभ कुमार धुवनिाया, पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुक्तर एवं उप विकास आयुक्त ने स्वागत किया। इस अवसर पर उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और उप विकास आयुक्त ने लोक लेखा समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार यादव, समिति के सदस्य एवं बरकड्डा विधायक अमित कुमार यादव, मनोहरपुर विधायक जगत मांडी तथा कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी को बुके भेंट कर ‘जोहार’ के साथ स्वागत किया। लोक लेखा समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के देवघर आगमन पर अधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया।

को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

समिति ने वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक की कैग रिपोर्ट में दर्ज आपत्तियों की समीक्षा की। इसके अलावा वर्ष 2014-15 के स्थानीय निकायों से संबंधित वार्षिक तकनीकी निरीक्षण प्रतिवेदन में दर्ज लंबित आपत्तियों पर चर्चा करते हुए उनके शीघ्र निराकरण का निर्देश दिया।

बैठक में वे अधिकारी रहे उपस्थित बैठक में उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, वन प्रमंडल पदाधिकारी, अपर समाहता, सिविल सर्जन, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला गव्य पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्यपालक अभिपंथा उपस्थित थे।

लखी महतो हत्याकांड में हैप्पी यादव और पवन यादव को भेजा गया जेल

खबरों की तह तक
मोहनपुर। मोहनपुर थाना क्षेत्र के सिमरा किता गांव निवासी लखी महतो हत्याकांड में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हैप्पी यादव और पवन यादव को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपितों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इस मामले में एक अन्य आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, हत्याकांड में नामजद अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

दही बेचने निकले लखी महतो पर हुआ था हमला
मालूम हो कि बीते 21 अक्टूबर की रात, सिमरपकिता गांव निवासी 55 वर्षीय लखी महतो दही बेचने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान कटवन्-बगाम मार्ग पर जोरिया के समीप उन पर हमला किए जाने की घटना सामने आई थी। आरोप है कि नामजद आरोपितों ने एकजुट होकर उनके साथ मारपीट की और बाद में उन्हें पुल के नीचे



फेंक दिया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल लखी महतो को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल ले गए। जहाँ इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद मृतक के पुत्र छोदू यादव ने मोहनपुर थाने में आवेदन देकर हत्या का मामला दर्ज कराया था।

अन्य नामजद आरोपितों की तलाश
पुलिस के अनुसार, मामले में नामजद अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी का जा रही है। इनमें मुखिया पति कृष्णा यादव, श्रीकांत यादव, हेमंत यादव और संतोष यादव के नाम शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है।

जसीडीह में 17 दिसंबर से मेगा नेत्र शिविर, 18 हजार लोगों की आंखों की जांच का लक्ष्य

खबरों की तह तक

जसीडीह। जसीडीह स्थित हंसा गार्डन परिसर में 17 से 20 दिसंबर तक चार दिवसीय मेगा मोतियाबिंद जांच एवं निःशुल्क ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया जाएगा। सीकर नागरिक परिषद, कोलकाता और रोटरी क्लब ऑफ देवघर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 18 हजार लोगों की आंखों की जांच करने का लक्ष्य रखा गया है। मोतियाबिंद से पीड़ित और ऑपरेशन के योग्य पाए जाने वाले मरीजों की निःशुल्क सर्जरी की जाएगी। साथ ही उन्हें आवश्यक दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। रविवार को आरोग्य भवन परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजकों ने शिविर की तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिविर में करीब 45 नेत्र चिकित्सक एवं विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। इनमें दो नेत्र विशेषज्ञ और कोलकाता से आने वाले एक नेत्र सर्जन भी शामिल होंगे। चिकित्सकों की टीम मरीजों की आंखों की जांच कर मोतियाबिंद के मामलों की पहचान करेगी। इसके बाद ऑपरेशन के योग्य मरीजों के उपचार की व्यवस्था की जाएगी।

पंजीकरण से उपचार तक ऑनलाइन व्यवस्था

इस बार शिविर में डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। पीयूष सोडानी की ओर से विकसित ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से मरीजों के पंजीकरण, जांच और उपचार संबंधी प्रक्रियाओं को व्यवस्थित किया जाएगा। इससे बड़ी संख्या में मरीजों की जांच और इलाज का प्रबंधन करने में सुविधा होगी। सीकर नागरिक परिषद के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद सोभासरिया ने बताया कि परिषद पिछले 25 वर्षों से नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में सेवा कार्य कर रही है। आगामी शिविर परिषद का 162वां नेत्र जांच शिविर होगा। इसका मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को बेहतर नेत्र चिकित्सा उपलब्ध कराना और मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को निःशुल्क उपचार की सुविधा देना है।

प्रेस वार्ता में ही रहे उपस्थित

प्रेस वार्ता में सीकर नागरिक परिषद के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद सोभासरिया, सचिव रवि शंकर सिंकारिया, संयुक्त सचिव केशव सोथानी, संयोजक नवनीत सोडानी, श्याम सुंदर धानुका, विकास टिबडेवाल, सहित रोटरी क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति की बैठक में लंबित मामलों की हुई समीक्षा, नोडल पदाधिकारी प्रतिनियुक्त करने का निर्देश

खबरों की तह तक

देवघर। झारखंड विधानसभा की लोक लेखा समिति की बैठक रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को देवघर परिसदन में समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य एवं बरकड्डा विधायक अमित कुमार यादव, मनोहरपुर विधायक जगत मांडी तथा कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित सामान्य, सामाजिक, आर्थिक एवं राजस्व प्रक्षेत्र के मामलों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही आर्थिक एवं राजस्व प्रक्षेत्र से जुड़ी आपत्ति कंडिकाओं तथा स्थानीय निकायों के वार्षिक तकनीकी निरीक्षण प्रतिवेदन में दर्ज लंबित कंडिकाओं की स्थिति पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। समिति ने आपत्तियों के निराकरण के लिए की गई कार्रवाई से संबंधित प्रतिवेदनों की भी समीक्षा की।

लंबित मामलों के निष्पादन के लिए नोडल पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति



का निर्देश

समिति ने कहा कि प्रत्येक जिले में लोक लेखा समिति से संबंधित लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए नोडल पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति का प्रावधान है। इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों की लंबित आपत्ति कंडिकाओं, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट तथा स्थानीय निकायों के लेखा संबंधी मामलों की बिंदुवार समीक्षा करते हुए

लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। **कड़ी विभागों के कार्यों की हुई समीक्षा** बैठक में वन विभाग, पुलिस विभाग, खनन विभाग, प्रदूषण विभाग, निबंधन विभाग, पंचायती राज विभाग, उत्पाद विभाग, परिवहन विभाग, वाणिज्यकर विभाग, ऊर्जा विभाग, आपूर्ति विभाग, भू-अर्जन, नगर निगम सहित अन्य विभागों के मामलों की समीक्षा की गई। समिति ने संबंधित अधिकारियों

गोनोडिह में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, विजेताओं को मेडल देकर किया गया सम्मानित

खबरों की तह तक

देवघर। सग्रामलोडीया पंचायत के गोनोडिह गांव में रविवार को जय श्री राम युवा एकता ग्रुप के अध्यक्ष दयानंद कुमार के नेतृत्व में दौड़ एवं विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान दौड़, मंकी जंप, फ्रॉग जंप, स्प्रिंग जंप और 1-2-3 गेम जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नौसेना में कार्यरत कैप्टन राजीव रंजन उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद से शारीरिक क्षमता के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। बच्चों एवं युवाओं के लिए इस तरह के आयोजन सराहनीय हैं।

ग्रुप के सचिव रोगा कुमार मंडल ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ एवं फिट रहने के लिए प्रतिदिन कम से कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों के लिए निकालना चाहिए। वहीं, ग्रुप के सदस्य चंदन मंडल ने कहा कि प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। खासकर छोटे बच्चों का उत्साह और प्रतिभा सराहनीय रही।

प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में दौड़ में श्रीकांत कुमार ने प्रथम, आर्यन्त कुमार ने द्वितीय और सुमन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1-2-3 गेम में श्रीकांत कुमार प्रथम, जगदीश कुमार द्वितीय और रिया कुमारी तृतीय स्थान पर रहें। मंकी जंप में श्रीकांत कुमार प्रथम, विजय कुमार द्वितीय और रितेश कुमार तृतीय रहे। फ्रॉग जंप में आर्यन्त कुमार ने प्रथम, हेमंत कुमार ने द्वितीय और विजय कुमार ने तृतीय स्थान पर रहें।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नौसेना में कार्यरत कैप्टन राजीव रंजन उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलकूद से शारीरिक क्षमता के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। बच्चों एवं युवाओं के लिए इस तरह के आयोजन सराहनीय हैं।



घंटा शारीरिक गतिविधियों के लिए निकालना चाहिए। वहीं, ग्रुप के सदस्य चंदन मंडल ने कहा कि प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने बेहतर प्रदर्शन किया। खासकर छोटे बच्चों का उत्साह और प्रतिभा सराहनीय रही।

प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में दौड़ में श्रीकांत कुमार ने प्रथम, आर्यन्त कुमार ने द्वितीय और सुमन कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1-2-3 गेम में श्रीकांत कुमार प्रथम, जगदीश कुमार द्वितीय और रिया कुमारी तृतीय स्थान पर रहें। मंकी जंप में श्रीकांत कुमार प्रथम, विजय कुमार द्वितीय और रितेश कुमार तृतीय रहे। फ्रॉग जंप में आर्यन्त कुमार ने प्रथम, हेमंत कुमार ने द्वितीय और विजय कुमार ने तृतीय स्थान पर रहें।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आठ शाखाओं में मनाया गया शरद पूर्णिमा उत्सव

खबरों की तह तक
देवघर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से रविवार को देवघर नगर की आठ शाखाओं में शरद पूर्णिमा उत्सव आयोजित किया गया। विद्यापति, केशव, एकलव्य, वैष्णवी, बैद्यनाथ, परशुराम, श्रीराम और चंद्रगुप्त शाखाओं के तत्वावधान में हुए कार्यक्रमों में स्वयंसेवकों को बौद्धिक मार्गदर्शन दिया गया। आयोजन के दौरान संगठनात्मक अनुशासन, आपसी समन्वय और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पर जोर दिया गया।

आदर्श कौलोनी रामपुर स्थित शाखा कार्यक्रमों के आवास पर शाम पांच बजे विद्यापति तरुण व्यवसायिक शाखा का कार्यक्रम हुआ। इसमें सह जून पोखर में शाम 6:30 बजे श्रीराम संयुक्त विद्यार्थी शाखा का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संस्कृत भारती के अजीत नारायण पांडे ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया।



बजे चंद्रगुप्त संयुक्त विद्यार्थी शाखा का उत्सव हुआ। इसमें नगर सह संपर्क प्रमुख अशोक भगत ने विचार रखे। इसी समय बंधा स्थित वैष्णवी दुर्गा मंदिर परिसर में वैष्णवी तरुण व्यवसायिक शाखा का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभाग कार्यवाह अरुण कुमार झा ने बौद्धिक मार्गदर्शन किया।

संस्कृत प्रतापशाला में रात आठ बजे बैद्यनाथ तरुण व्यवसायिक शाखा का उत्सव संपन्न हुआ। इसमें शाखा

बरनवाल ने अपने विचार रखे। देवघर स्टेशन के समीप बैद्यनाथ विवाह भवन में शाम छह बजे एकलव्य तरुण व्यवसायिक शाखा का कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रांत प्रचार प्रमुख प्रवीण दुबे ने बौद्धिक प्रस्तुत किया। जून पोखर में शाम 6:30 बजे श्रीराम संयुक्त विद्यार्थी शाखा का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें संस्कृत भारती के अजीत नारायण पांडे ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया।

प्रगति नगर महेशमारा में शाम सात

देवघर

संक्षिप्त खबर

शरद पूर्णिमा पर बाबा मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्तों ने की सुख-समृद्धि की कामना

खबरों की तह तक
देवघर। शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों की संख्या में पहुंचे भक्तों ने कतारबद्ध होकर बाबा वैद्यनाथ का जलार्पण और पूजन किया। श्रद्धालुओं ने बाबा से अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलकामना की। शरद पूर्णिमा को लेकर बाबानगरी में सुबह से ही भक्तिमय माहौल बना रहा। मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान भी आयोजित किए गए। वहीं, शीघ्र दर्शनम कूपन के माध्यम से पूजा करने वाले श्रद्धालुओं की भी अच्छी-खासी भीड़ देखी गई। पर्व के अवसर पर बाबा मंदिर सहित आसपास के क्षेत्रों में शिवभक्तों की चहल-पहल बनी रही।



एक नवंबर से शुरू होगी देवघर जिला क्रिकेट लीग, चार मैदानों पर होंगे मुकाबले

खबरों की तह तक

देवघर। जिला क्रिकेट एसोसिएशन देवघर की बैठक रविवार को केकेएन स्टेडियम में केके ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला क्रिकेट लीग के आयोजन सहित क्रिकेट के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सर्वसम्मति से जिला क्रिकेट लीग की शुरुआत एक नवंबर से करने का निर्णय लिया गया। लीग के मुकाबले चार मैदानों पर खेले जाएंगे। बैठक में जिले में क्रिकेट को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुरानी क्रिकेट अकादमियों को आर्थिक सहयोग देने पर भी निर्णय लिया गया। इसके तहत जिला क्रिकेट संघ नियमानुसार अकादमियों की जरूरतों के अनुसार आर्थिक मदद करेगा, ताकि जिले में क्रिकेट की गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल सके। बैठक में जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव विजय झा, नीरज सिन्हा, अनिल झा, इप्तार शेख, मनोज मिश्रा, संजय मालवीय, वीरेंद्र सिंह, अत्ताउल रहमान, अमित कुमार सोनी, राजेश कुमार, आलोक राजहंस, रवि झा, सनी साय्याल, अमरिंदर, अभिषेक, शैलेश दुबे, तरुण राय और किशन फलाहारी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

झील तालाब छठ पूजा सेवा समिति की नई कमेटी गठित, सोनू गुप्ता बने अध्यक्ष

खबरों की तह तक

मधुपुर। स्थानीय पंचमंदिर रोड स्थित झील तालाब परिसर में रविवार शाम झील तालाब छठ पूजा सेवा समिति की बैठक संरक्षक संतोष शरण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें सोनू गुप्ता को अध्यक्ष बनाया गया। नई कमेटी में अवनी भूषण और पप्पू चौधरी को उपाध्यक्ष, सुमन चौधरी को सचिव, सुबल मंडल और विशाल गुट्टगुटिया को सह सचिव, अमर शर्मा को कोषाध्यक्ष, अंकित शरण को सह कोषाध्यक्ष तथा दीपक मिश्रा और गौरव जायसवाल को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में लोक आस्था के महापर्व छठ को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इसके लिए प्रसाद, फूल, सजावट, लाइटिंग, पंडाल निर्माण और प्रतिमा स्थापना सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समिति ने छठ घाट को आकर्षक ढंग से सजाने का निर्णय लिया। बैठक में यह भी तय किया गया कि छठ घाट पर किसी भी राजनीतिक या गैर-राजनीतिक दल के बैनर-पोस्टर नहीं लगाए जाएंगे। इसके अलावा अप्रसेन चौक से झील तालाब छठ घाट तक के मार्ग को आकर्षक विद्युत लाइटों से सजाया जाएगा।

बैठक में हेमंत नारायण सिंह, राजेश राम, पप्पू चौधरी, कन्हैया राम, सागर जायसवाल, विकास गिरी, अमिताभ गुप्ता, सुभाष रवानी, अंकित सिंह राठौड़, रवि अग्रवाल और पप्पू शरण सहित अन्य उपस्थित थे।

मीना बाजार में काली पूजा की तैयारी तेज, झूमा मुखर्जी बनीं अध्यक्ष

खबरों की तह तक

मधुपुर। स्थानीय मीना बाजार स्थित गांधी मैदान में काली पूजा की तैयारियां तेज हो गई हैं। रविवार को गांधी मैदान मीना बाजार काली पूजा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से झूमा मुखर्जी को अध्यक्ष और कुंज बिहारी मिश्रा को सचिव चुना गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष पूजा पंडाल को आकर्षक रूप दिया जाएगा। पूरे मैदान परिसर और आसपास के रास्तों को रा-बिरंगी विद्युत लाइटों से सजाया जाएगा। समिति के अनुसार, मीना बाजार में आयोजित होने वाली काली पूजा में दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचते हैं। पूजा के दौरान मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय हो जाता है। समिति पिछले 25 वर्षों से पूरे विधि-विधान के साथ काली पूजा का आयोजन करती आ रही है। इस बार भी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की जाएगी। पूजा को लेकर समिति के सदस्यों ने तैयारियों को अंतिम रूप देने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने पर चर्चा की। बैठक में बिनाद उर्फ बबलू गोंड, विकास चंद्र तिवारी, कुंज बिहारी मिश्रा, उत्तम बर्मन, देवानंद तिवारी, अनुज मिश्रा, अरविंद सिन्हा, मोहन रवानी, सुभाष सिंह यादव, सूरज देव ठाकुर, रविंद्र मोहन झा, विद्यासागर झा, राजेश कुमार बर्मन, सात नारायण रवानी, राहुल जायसवाल, अनूप मिश्रा, नवीन कुमार गुप्ता, रायच हार्डी, अभिषेक कुमार, शिवम चोपे, सागर मल्लिक, दीपक पासवान, आयुष रजवार, प्रमोद शर्मा, निखिल चंद्रवंशी, शुभम सिंह राजपुत, अर्जुन कुमार, संजय कुमार बासफोर, राजेश कुमार दास और अभय कुमार बासफोर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हृदयनाथ मंगेशकर एवं गणेश शंकर विद्यार्थी, संगीत, साहित्य, पत्रकारिता और राष्ट्रसेवा के दो प्रेरणास्रोत : डॉ. प्रदीप

□ हृदयनाथ मंगेशकर एवं गणेश शंकर विद्यार्थी की जयंती पर विशेष

खबरों की तह तक

देवघर। भारत की सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना के इतिहास में अनेक ऐसी विभूतियों ने जन्म लिया है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, साधना, त्याग और समर्पण से देश को गौरवान्वित किया है। मौके पर स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा- भारतीय संगीत जगत के प्रतिष्ठित संगीतकार हृदयनाथ मंगेशकर और निर्भीक पत्रकार, स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजसेवी गणेश शंकर विद्यार्थी ऐसी ही दो महान विभूतियाँ हैं। दोनों का कार्यक्षेत्र भले ही अलग-अलग रहा हो, लेकिन उनकी साधना का मूल उद्देश्य भारतीय समाज, संस्कृति और जनचेतना को समृद्ध करना था। एक ने संगीत के माध्यम से जनमानस को भावविभोर किया, तो दूसरे ने अपनी लेखनी के माध्यम से अन्याय, शोषण

और सामाजिक विषमता के विरुद्ध संघर्ष किया। डॉ. प्रदीप ने हृदयनाथ मंगेशकर के संबंध में कहा, हृदयनाथ मंगेशकर भारतीय संगीत जगत के सुप्रसिद्ध संगीतकार हैं। उनका जन्म 26 अक्टूबर, 1937 को महाराष्ट्र में हुआ था। वे महान गायिका लता मंगेशकर और प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले के छोटे भाई हैं। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर शास्त्रीय संगीत एवं रंगमंच की प्रतिष्ठित हस्ती थे। संगीत से परिपूर्ण पारिवारिक वातावरण ने हृदयनाथ मंगेशकर की प्रतिभा को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहरी समझ, स्वर-संवेदना और रचनात्मक प्रयोगों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी संगीत रचनाओं में शास्त्रीयता, भावनात्मक गहराई, काव्यात्मक सौंदर्य और मधुरता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने मराठी और हिंदी संगीत जगत को अनेक यादगार गीत प्रदान किए। उनकी संगीत साधना का एक उल्लेखनीय पक्ष यह है कि उन्होंने महान कवियों की रचनाओं को संगीतबद्ध करके



जनसामान्य तक पहुंचाया। संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, मीराबाई और अन्य कवियों की रचनाओं को उन्होंने अपनी विशिष्ट संगीत शैली में प्रस्तुत किया। उनकी रचनाओं में भक्ति, प्रेम, विरह, प्रकृति, राष्ट्रप्रेम और मानवीय संवेदनाओं की विविध छवियाँ दिखाई देती हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। लेकिन... माया मेमसाब और लाल सलाम जैसी फिल्मों में उनके संगीत निर्देशन की विशेष पहचान रही है। उन्होंने पारंपरिक संगीत की

के लिए निरंतर अभ्यास, अनुशासन, मौलिकता और समर्पण आवश्यक हैं। उनकी जयंती संगीतप्रेमियों के लिए भारतीय संगीत की महान परंपरा को स्मरण करने और नई पीढ़ी को कला-साधना के प्रति प्रेरित करने का अवसर है। डॉ. देव ने गणेश शंकर विद्यार्थी के संबंध में कहा, गणेश शंकर विद्यार्थी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानी, निर्भीक पत्रकार, साहित्यकार और समाजसेवी थे। उनका जन्म 26 अक्टूबर, 1890 को इलाहाबाद के अतरसुइया क्षेत्र में हुआ था, जिसे वर्तमान में प्रयागराज कहा जाता है। उनके पिता का नाम जयनारायण था। विद्यार्थी जी का जीवन संघर्ष, सत्यनिष्ठा और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने पत्रकारिता को केवल समाचार प्रकाशित करने का माध्यम नहीं माना, बल्कि उसे सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्रीय जागरण का सशक्त साधन बनाया। उन्होंने 1913 में कानपुर से हिंदी समाचारपत्र 'प्रताप' का प्रकाशन प्रारंभ किया। इस समाचारपत्र के माध्यम से उन्होंने ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों, सामाजिक अन्याय,

आर्थिक शोषण और जनसाधारण की समस्याओं को निर्भीकता से उजागर किया। 'प्रताप' शीघ्र ही राष्ट्रीय चेतना का प्रभावशाली मंच बन गया। विद्यार्थी जी ने किसानों, मजदूरों, गरीबों और वंचित वर्गों की आवाज को प्रमुखता दी। उनकी लेखनी में अन्याय के प्रति आक्रोश, स्वतंत्रता के प्रति अटूट निष्ठा और समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाई देती थी। ब्रिटिश शासन को आलोचना करने के कारण उन्हें अनेक बार जेल जाना पड़ा, आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाएँ सहनी पड़ीं। फिर भी उन्होंने सत्य और न्याय का मार्ग नहीं छोड़ा। वे महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। वे मानते थे कि राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सामाजिक समानता, धार्मिक सद्भाव और मानवीय गरिमा भी आवश्यक हैं। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता सांप्रदायिक सद्भाव के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी। वर्ष 1931 में कानपुर में भड़के सांप्रदायिक दंगों के

दौरान उन्होंने हिंसा रोकने और निर्दोष लोगों की रक्षा करने के लिए अथक प्रयास किए। इसी दौरान 25 मार्च, 1931 को उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने मानवता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका जीवन और बलिदान आज भी समाज को शांति, सहिष्णुता और भाईचारे का संदेश देता है। उनका मानना था कि पत्रकारिता का वास्तविक धर्म सता की चालूसेरी करना नहीं, बल्कि सत्य को सामने लाना और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाना है। आज जब पत्रकारिता के सामने अनेक नैतिक चुनौतियाँ हैं, तब उनके आदर्श और भी प्रासंगिक हो जाते हैं। डॉ. देव ने अंत में कहा, हृदयनाथ मंगेशकर और गणेश शंकर विद्यार्थी के कार्यक्षेत्र अलग-अलग थे, लेकिन दोनों ने अपने-अपने माध्यम से समाज को जागरूक और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हृदयनाथ मंगेशकर ने संगीत के माध्यम से भारतीय संस्कृति, साहित्य और विशेषता सांप्रदायिक सद्भाव के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी। वर्ष 1931 में कानपुर में भड़के सांप्रदायिक दंगों के

और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। एक ने खरों से हृदय को स्पर्श किया, दूसरे ने शब्दों से जनमानस में चेतना जगाई। दोनों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा का वास्तविक महत्त्व तभी है, जब उसका उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए किया जाए। आज की युवा पीढ़ी को इन महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेते हुए अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी, अनुशासन, निर्भीकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्राथमिकता देनी चाहिए। कलाकारों को अपनी कला के माध्यम से मानवीय मूल्यों को प्रोत्साहित करना चाहिए और पत्रकारों को निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा तथा जनहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। हृदयनाथ मंगेशकर की जयंती हमें कला और संगीत की साधना का संदेश देती है, जबकि गणेश शंकर विद्यार्थी का जीवन सत्य, साहस और मानवता के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा प्रदान करता है। इन दोनों महान विभूतियों के आदर्शों को अपनाने ही हम एक संवेदनशील, जागरूक, समतामूलक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।



संक्षिप्त खबर

सिंदरी में 27 अक्टूबर से पंडित गौरांगी गौरी की श्रीमद्भागवत कथा, 26 को निकलेगी कलश यात्रा

खबरों की तह तक
सिंदरी। डोमगढ़ स्थित दामोदर नदी के किनारे डीके-4, आवास संख्या 45-46 में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित गौरांगी गौरी जी के श्रीमद्भागवत कथा कार्यक्रम का आयोजन 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक किया जाएगा। आयोजन को लेकर पंडित मुकेश पुरोहित ने परिवार के सदस्यों के साथ प्रेस वार्ता कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कथा के शुभारंभ से पूर्व 26 अक्टूबर को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। प्रेस वार्ता में सिंह परिवार की ओर से माता गीता देवी, ज्येष्ठ पुत्र शशि सिंह, श्रीकांत सिंह एवं छोटे पुत्र कृष्णकांत सिंह उपस्थित रहे। परिवार के सदस्यों ने प्रेस के माध्यम से धनबाद जिले के श्रद्धालुओं से कथा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। परिवार के सदस्यों ने कहा कि पंडित गौरांगी गौरी जी अंतरराष्ट्रीय स्तर की कथावाचक हैं। उनके श्रीमुख से कथा श्रवण करने का अवसर धनबाद जिले के श्रद्धालुओं के लिए विशेष होगा। उन्होंने जिलेवासियों से सपरिवार पहुंचकर कथा का रसपान करने और आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया। आयोजक परिवार की ओर से 3 नवंबर को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। सिंह परिवार ने भंडारे में भी सभी श्रद्धालुओं को सादर आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

खूटा बांध छठ पूजा समिति, दुमका



खबरों की तह तक
दुमका। लोक आस्था के महापर्व छठ को भव्य, व्यवस्थित और भक्तिमय माहौल में संपन्न कराने को लेकर खूटा बांध छठ पूजा समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। रविवार को खूटा बांध छठ घाट परिसर में समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक अशोक कुमार राउत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में छठ महापर्व के सफल आयोजन को लेकर तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया तथा आयोजन की रूपरेखा तय की गई। बैठक में छठ घाट की साफ-सफाई, घाट परिसर की आकर्षक सजावट, छठव्रतियों एवं श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था और भक्ति जागरण के आयोजन सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। समिति की ओर से पूर्व के दौरान घाट पर स्वच्छता, बेहतर व्यवस्था और भक्तिमय माहौल बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। समिति का प्रयास है कि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को पूर्व के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी लोग श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ भगवान सूर्य की उपासना और छठी मैया की आराधना कर सकें। मौके पर राज किशोर झा, विद्यापति झा, बंशोधर पंडित, मिथिलेश सिंह, सुमंत कुमार यादव, संदीप साह, गौतम कुमार, विकास मिश्रा, जगदीश पासवान, अतुल पंजियारा, रवि कुमार, राजकुमार मंडल, अमित कुमार, लक्ष्मण राउत, आनंद कुमार, ईश्वर कुमार, विवेक सिंह, गौरव सिंह, कमलेश साह, चन्द्रकिशोर सिंह, राजू कुमार, राहुल गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति बैठक में शामिल हुई तारा देवी, संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा



खबरों की तह तक
रांची। भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश की ओर से रांची के सुकरहुड्डू स्थित हवेली बैंकवेट हॉल में आयोजित दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के अंतिम दिन प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तारा देवी शामिल हुईं। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक एवं सांगठनिक कार्ययोजनाओं तथा राज्य की विभिन्न जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान झामुो-कांग्रेस गठबंधन सरकार की नीतियों, जनसमस्याओं के प्रति उदासीनता और सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर भाजपा नेताओं ने अपने विचार रखे। जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के बाद राजनीतिक प्रस्ताव-2 को सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री सोदान सिंह, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश प्रभारी गजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश सह-प्रभारी निवेदिता सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। नेताओं ने संगठन की भावी रणनीति और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। बैठक के माध्यम से भाजपा नेताओं ने जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने, जनआक्रोशों को आवाज देने और झारखंड के विकास से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य तारा देवी की सहभागिता भी बैठक के प्रमुख पहलुओं में रही।

धनबाद के खटाल संचालकों के समर्थन में 4 नवंबर को होगा आंदोलन, पप्पू यादव ने आने पर जताई सहमति

खबरों की तह तक
धनबाद। बारामुड़ी खटाल को हटाने की कार्रवाई के विरोध में अब आंदोलन की तैयारी शुरू हो गई है। धनबाद में खटाल संचालकों और प्रभावित परिवारों के रोजगार एवं आजीविका की रक्षा की मांग को लेकर आगामी 4 नवंबर को विशाल आंदोलन आयोजित करने की रणनीति बनाई गई है। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल ने पटना पहुंचकर पूर्णिमा के सांसद पप्पू यादव से उनके आवास पर मुलाकात की और धनबाद की स्थिति से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष सुंदर प्रसाद यादव, वर्तमान जिलाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार यादव, समाजसेवी बसंत यादव, संतोष विक्राल और विशाल कुमार यादव शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने धनबाद में खटाल संचालकों एवं गरीब परिवारों के सामने उत्पन्न संकट तथा प्रशासनिक कार्रवाई को लेकर चिंता जताई। साथ ही प्रभावित परिवारों के हित में हस्तक्षेप करने और उनकी आजीविका की रक्षा के लिए



प्रभावी पहल करने का आग्रह किया। **4 नवंबर को धनबाद पहुंचेंगे पप्पू यादव**
प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, बैठक में 4 नवंबर को धनबाद में आंदोलन आयोजित करने की रणनीति पर चर्चा हुई। सांसद पप्पू यादव ने 4 नवंबर को धनबाद पहुंचने पर सहमति जताई है। उनके आगमन से आंदोलन को समर्थन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

आंदोलन से जुड़े लोगों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य प्रशासन से टकराव पैदा करना नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करना और उनके साथ न्याय सुनिश्चित करने की मांग करना है। **विभिन्न संगठनों से एकजुट होने की अपील**
इस अभियान के तहत समाज के विभिन्न वर्गों, राजनीतिक दलों से जुड़े लोगों, सामाजिक संगठनों और न्यायप्रिय नागरिकों से एकजुट होने की अपील की गई है। अभियान से जुड़े लोगों का कहना है कि खटाल संचालकों एवं प्रभावित परिवारों की आजीविका का मुद्दा किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है। प्रतिनिधिमंडल ने लोगों से आपसी मतभेद भुलाकर प्रभावित परिवारों के समर्थन में आगे आने की अपील की। अब सभी की नजरें 4 नवंबर को प्रस्तावित आंदोलन और उसमें होने वाली भागीदारी पर टिकी हैं।

आयुष फाउंडेशन धनबाद ने बिरहोर परिवारों के बीच बांटे वस्त्र, भोजन और शिक्षा सामग्री



खबरों की तह तक
धनबाद। समाज के जरूरतमंद एवं वंचित लोगों की सहायता करने के उद्देश्य से आयुष फाउंडेशन धनबाद की ओर से तोपचांची प्रखंड के चिलकारी गांव में सामाजिक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान झारखंड की अति पिछड़ी एवं विलुपित के कगार पर खड़ी बिरहोर जनजाति के जरूरतमंद परिवारों के बीच वस्त्र, भोजन और शिक्षा सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम के तहत नवजात शिशुओं, बच्चों, किशोर-किशोरियों, महिलाओं और पुरुषों के बीच नए एवं पुराने वस्त्र बांटे गए। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहायता पहुंचाने के साथ समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और मानवीय एकजुटता की भावना को मजबूत करना था। **200 लोगों के बीच किया गया खिचड़ी वितरण**
लक्ष्मी पूजा के अवसर पर दानदाताओं

उपस्थित रहे। वहीं, ERO Kids की ओर से संचालक राहुल महतो के साथ सुनील यादव और रंजन कुमार भी मौजूद थे। **दानदाताओं के प्रति जताया आभार**
आयुष फाउंडेशन धनबाद ने वस्त्र एवं भोजन दान करने वाले सभी दानदाताओं, शुभचिंतकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने में समाज के लोगों का सहयोग महत्वपूर्ण है। फाउंडेशन का उद्देश्य समाज के वंचित, जरूरतमंद और उपेक्षित वर्गों तक सहायता पहुंचाना तथा शिक्षा, सेवा और मानवता के माध्यम से एक संवेदनशील एवं समावेशी समाज का निर्माण करना है। संस्था ने लोगों से सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को आगे बढ़ाने की अपील की। आयुष फाउंडेशन धनबाद सेवा, शिक्षा और मानवता के प्रति समर्पित रहकर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

उपायुक्त के निर्देश पर एसएसएलएनटी अस्पताल के कार्याकल्प की पहल, एमसीएच विंग निर्माण की तैयारी तेज

खबरों की तह तक
धनबाद। जिलेवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य से एसएसएलएनटी अस्पताल परिसर के कार्याकल्प की पहल की गई है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार अस्पताल परिसर का प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों की टीम ने संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान प्रस्तावित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) विंग के निर्माण तथा वर्तमान अस्पताल भवन की मरम्मत और जीर्णोद्धार की योजना पर चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में स्वच्छता और बेहतर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए चल रहे जंगल एवं झाड़ियों की सफाई कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने पूरे परिसर का स्थलीय निरीक्षण कर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न पहलुओं का आकलन किया। **एमसीएच विंग निर्माण के लिए स्थल का तकनीकी मूल्यांकन**



प्रस्तावित एमसीएच विंग के निर्माण को लेकर अस्पताल परिसर में उपलब्ध भूमि और चर्यनित स्थल का तकनीकी मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही मौजूदा अस्पताल भवन की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्यों की रूपरेखा तैयार करने पर चर्चा हुई। इस पहल का उद्देश्य अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना और मरीजों को सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। साथ ही निर्माण एवं मरम्मत कार्यों के दौरान मरीजों को कम से कम असुविधा हो, इसका भी ध्यान रखने पर जोर दिया गया। **सफाई कार्य में तेजी लाने का निर्देश**
निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन

धनबाद में न्यू जोहरी बाज़ार के नवीनीकृत शोरूम का भव्य पुनः शुभारंभ

» आधुनिक सुविधाओं और आकर्षक अंदज के साथ ग्राहकों को मिलेगा खरीदारी का बेहतर अनुभव

खबरों की तह तक
धनबाद। झारखंड के प्रतिष्ठित ज्वेलरी ब्रांड न्यू जोहरी बाजार के नवीनीकृत शोरूम का भव्य पुनः शुभारंभ रविवार, 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजे बैंक मोड़ स्थित श्री राम प्लाजा में हुआ। शोरूम का उद्घाटन सुनील चंद्र रस्तोगी ने किया। न्यू जोहरी बाजार पिछले 21 वर्षों से धनबाद, बोकारो, गिरिडीह समेत झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में ग्राहकों का विश्वास हासिल करता आ रहा है। ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए शोरूम को नए और आकर्षक स्वरूप में तैयार किया गया है। यहां ग्राहकों को आधुनिक सुविधाओं, बेहतर आराम और शांत वातावरण के बीच आभूषणों की खरीदारी का बेहतर अनुभव मिलेगा। **शुद्धता और पारदर्शिता पर विशेष जोर**
प्रतिष्ठान प्रबंधन के अनुसार, ग्राहकों का विश्वास ही न्यू जोहरी बाजार की सबसे बड़ी पूंजी है। संस्थान हमेशा



से शुद्धता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ ग्राहकों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। शादी-विवाह, त्योहारों और अन्य मांगलिक अवसरों पर परिवारों की खुशियों का हिस्सा बनना प्रतिष्ठान की प्राथमिकता रही है। **धनबाद और गिरिडीह में संचालित हैं तीन शोरूम**
वर्तमान में न्यू जोहरी बाजार के धनबाद में दो प्रतिष्ठान संचालित हैं। इनमें बैंक मोड़ स्थित श्री राम प्लाजा और सरायढेला स्थित नालंदा ट्रेड सेंटर शामिल हैं। इसके अलावा

मेले की सुरक्षा को लेकर कतरास पुलिस अलर्ट, थाना प्रभारी प्रवीण कुमार कर रहे पैदल गश्त



खबरों की तह तक
कतरास। मेला क्षेत्र में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार अपनी सिविल टीम के साथ लगातार सक्रिय हैं। इसी क्रम में पुलिस टीम मेला क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रही है। इस दौरान असामाजिक तत्वों और मनचलों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार गश्त कर रही है। पुलिस की निगरानी उन लोगों पर भी है, जो मेले में हुड़दंग करने, महिलाओं एवं युवतियों के साथ अभद्र व्यवहार करने या शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश कर सकते हैं। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरत रही है, ताकि मेले में आने वाले लोग निर्भीक होकर घूम सकें और आयोजन का आनंद ले सकें। पुलिस की सक्रियता से मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है। कतरास पुलिस की अपील: मेला क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

KKTT NEWS

खबरों की तह तक

निडर और निष्पक्ष

हमसे डिजिटल के माध्यम से जुड़ें!

हर खबर पर रहे आपकी नजर जुड़े और बने रहें अपडेट!

हर तक आसानी से पहुंचें

हर अपडेट सबसे पहले पाएं

WhatsApp से जुड़ें न्यूज़ और अपडेट सीधे पाएं

Facebook पर फॉलो करें ताज़ा खबरें और लखतू अपडेट देखें

YouTube पर सब्सक्राइब करें जीवित न्यूज़ और विशेष वीडियो देखें

Website पर विजिट करें हर खबर, हर अपडेट एक क्लिक पर

सभी खबर जनता के लिए

हर खबर गहराई से

आपकी हूँ हमारी आवाज़

लाइव अपडेट सबसे पहले

निडर और निष्पक्ष सब की पहचान

www.khabronkitahtak.com

kkt.in

KKTT News

KKTT News

9471359705

संक्षिप्त समाचार

पुलिसके कथित दुर्व्यवहार पर एनआईआईआरसी सख्त, डीजीपी से मांगी अतिरिक्त रिपोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में पुलिस अधिकारियों के कथित दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा के इस्तेमाल और पद के दुरुपयोग से जुड़े मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने झारखंड के पुलिस महानिदेशक से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है. आयोग ने 23 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र में शिकायत से संबंधित बिंदुओं की समीक्षा कर आठ सप्ताह के भीतर अतिरिक्त एवं पूर्ण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है. इसके लिए 28 दिसंबर 2026 तक की समयसीमा निर्धारित की गई है. यह मामला झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी की शिकायत से जुड़ा है, जो आयोग में केस संख्या 1588/34/16/2022 के तहत विचाराधीन है. राजीव कुमार तिवारी ने 27 मई 2022 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी. इसमें उन्होंने पुलिस अधिकारियों पर कथित मारपीट, अभद्र भाषा के इस्तेमाल और सरकारी पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए थे. शिकायत में यह भी कहा गया था कि रांची के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने आयोग के पूर्व निर्देशों का अनुपालन नहीं किया. मामले में धुर्वा थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी और पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए गए थे. आयोग के पत्र में दर्ज विवरण के अनुसार, मामले में विभिन्न स्तरों पर रिपोर्ट मांगी गई थी. इसके बाद रांची के पुलिस अधीक्षक की ओर से 13 मई 2025 को आयोग को रिपोर्ट सौंपी गई. इसमें धुर्वा थाना से संबंधित घटना और पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई का जिक्र किया गया था. पुलिस की ओर से आयोग को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के दौरान शिकायतकर्ता मोबाइल से वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे और फेसबुक पर लाइव प्रसारण भी कर रहे थे. इसी दौरान उनकी पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार के साथ कहासुनी हुई थी. इसके बाद संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई. रिपोर्ट में बताया गया कि विभागीय जांच में पुलिस निरीक्षक को दोषी पाया गया था. इसके बाद उन्हें दंडित करते हुए भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होने की चेतावनी दी गई थी. आयोग के समक्ष उपलब्ध विवरण में यह भी रेखांकित किया गया कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आरोप या पूर्व मामले होने के बावजूद पुलिस अधिकारियों को उसके साथ कानून के दायरे में रहकर ही व्यवहार करना चाहिए. राजीव कुमार तिवारी ने 9 मई 2026 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष अपनी टिप्पणी प्रस्तुत की थी. उन्होंने पुलिस निरीक्षक के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई पर असंतोष जताते हुए मामले की जांच और कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने की मांग की थी. शिकायतकर्ता ने दावा किया कि घटना के दिन उनके द्वारा बनाई गई वीडियो रिकॉर्डिंग से कथित दुर्व्यवहार की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है. उन्होंने पुलिस निरीक्षक प्रवीण कुमार और अन्य निरीक्षक नारायण सोरेन की ओर से जांच के दौरान लगाए गए आरोपों को सतत और निराधार बताया. साथ ही, उन्होंने अनुरोध किया कि विभागीय कार्रवाई पर अंतिम टिप्पणी करने से पहले उन्हें पूरी जांच रिपोर्ट और जांच अधिकारी सहित लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक से संबंधित अभिलेखों की प्रतियां उपलब्ध कराई जाएं.

पलामू सहिया अपहरण हत्याकांड : चार आरोपी गिरफ्तार, दुष्कर्म की आशंका, प्रिंस खान-सुजीत सिन्हा गिरोह से आरोपी का है संबंध

पलामू, एजेंसी। पुलिस ने जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा के दौरान एक सहिया का अपहरण कर लिया गया था. बाद में उसका अपहरण और उसके बाद हुई हत्या के मामले का खुलासा कर दिया है. इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में से एक का संबंध प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोहों से भी है. गिरफ्तार आरोपियों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म की बात भी कबूल की है. दुष्कर्म की पुष्टि के लिए पुलिस ने एफएएसएल को जांच के लिए भेजा है.

दरअसल, पलामू के

नावाबाजार थाना क्षेत्र में दुर्गा पूजा के दौरान एक सहिया का अपहरण कर लिया गया था. बाद में उसका अपहरण और उसके बाद हुई हत्या के मामले का खुलासा कर दिया है. इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है. गिरफ्तार आरोपियों में से एक का संबंध प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोहों से भी है. गिरफ्तार आरोपियों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म की बात भी कबूल की है. दुष्कर्म की पुष्टि के लिए पुलिस ने एफएएसएल को जांच के लिए भेजा है.



शव एक खेत से बरामद हुआ. मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस

ने चार आरोपी दीपरंजन पांडे, रोहित पांडे, आकाश शुक्ला उर्फ भुलन शुक्ला और विक्की और विक्की पासवान का गिरफ्तार किया. दीपरंजन पांडे, आकाश शुक्ला

और विक्की पासवान का आपराधिक इतिहास रहा है. आकाश शुक्ला का संबंध प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोहों से रहा है और आठ महीने पहले ही वह जेल से बाहर निकला है. गिरफ्तार आरोपियों के पास से पीड़िता के गहने और अन्य निजी सामान बरामद किए गए हैं. गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी नशे के आदी हैं. घटना के दिन, उन्होंने गढ़वा में हेरोइन और ब्राउन शुगर खरीदी थी. दिन भर नशा करने के बाद, जब उनके पैसे खत्म हो गए, तो उन्होंने उसी रात लूटपाट करने की योजना बनाई.

बावजूद भाजपा ने आदिवासियों, मुलवासियों, युवाओं और किसानों से हितों के लिए क्या किया. उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती रही. यहां के लोगों को उनके संसाधनों के अनुरूप अधिकार और अवसर क्यों नहीं मिलते? उन्होंने कहा कि आज भाजपा के नेतृत्व के बिना देश को आगे बढ़ाना संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने लगातार दो बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व को राज्य की सेवा का मौका दिया है. भाजपा नेताओं को यह समझना चाहिए कि झारखंड की जनता को राजनीतिक भाषणों और खोखले नारों से गुमराह नहीं किया जा सकता. विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को झारखंड की जनता को यह बताना चाहिए कि राज्य के गठन के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के

बावजूद भाजपा ने आदिवासियों, मुलवासियों, युवाओं और किसानों से हितों के लिए क्या किया. उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती रही. यहां के लोगों को उनके संसाधनों के अनुरूप अधिकार और अवसर क्यों नहीं मिलते? उन्होंने कहा कि आज भाजपा के नेतृत्व के बिना देश को आगे बढ़ाना संभव नहीं है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने लगातार दो बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व को राज्य की सेवा का मौका दिया है. भाजपा नेताओं को यह समझना चाहिए कि झारखंड की जनता को राजनीतिक भाषणों और खोखले नारों से गुमराह नहीं किया जा सकता. विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को झारखंड की जनता को यह बताना चाहिए कि राज्य के गठन के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के

अनाथालय में खुजली से बेहाल मासूम, गंभीर बच्चों को रिश्तेदारों के घर छोड़ रहा वार्डन

धनबाद, एजेंसी। अनाथ बच्चों की देखभाल और उनके बेहतर भविष्य के लिए बनाए गए विद्यालय में यदि मासूम बच्चे बीमारी से परेशान हो जाए और गंभीर हालत में उन्हें रिश्तेदारों के यहां भेजा जाने लगे, तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है. धनबाद के पूर्वी टुंडी प्रखंड के पोखरिया स्थित पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय में करीब 50 बच्चों में से 40 से अधिक के खुजली से पीड़ित होने की बात सामने आई है. आरोप है कि जिन बच्चों की हालत ज्यादा खराब हो रही है, उन्हें वार्डन रिश्तेदारों के यहां भेज रहे हैं, लेकिन रिश्तेदारों के घर पर नहीं मिलने से बच्चे भटकने को मजबूर हैं. खास बात यह है कि इस विद्यालय का संचालन टुंडी के सत्ताधारी दल के विधायक मथुरा महतो से जुड़ा है और विद्यालय का नाम उनके माता-पिता के नाम पर रखा गया है. बच्चों की बीमारी और उन्हें रिश्तेदारों के यहां भेजने के मामले ने अब विद्यालय में इलाज, देखभाल और सुरक्षा की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

धनबाद के पूर्वी टुंडी प्रखंड के पोखरिया स्थित पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय में रहने वाले बच्चों



की सेहत को लेकर चिंता बढ़ गई है. विद्यालय में करीब 50 बच्चे रहते हैं, जिनमें से 40 से अधिक बच्चों के खुजली से पीड़ित होने की बात सामने आई है. विद्यालय के वार्डन उपेंद्र शर्मा के मुताबिक, बच्चों के इलाज के लिए डॉक्टरों को बुलाया गया और दवाइयां भी दी गईं. इसके बावजूद कई बच्चे इस समस्या से परेशान हैं. बच्चों की बीमारी के बीच एक 9 वर्षीय बच्चे की खुजली से हालत बिगड़ने के बाद उसे रिश्तेदार के यहां भेजा गया. आरोप है कि वार्डन ने दूसरे बच्चे के साथ उसे घर पहुंचवाया,

लेकिन वहां ताला लगा हुआ था. रिश्तेदार के नहीं होने पर बच्चा इधर-उधर भटकता रहा. बच्चे के अभिभावक बबलू मरांडी के मुताबिक, वह खुद का इलाज कराने रांची गए थे. रात करीब 10 बजे लौटने पर उन्हें बच्चे के घर के बाहर भटकने की जानकारी मिली. इसके बाद उन्होंने वार्डन से संपर्क किया और बच्चे की तलाश शुरू की. इस घटना ने बच्चों को रिश्तेदारों के पास भेजने की प्रक्रिया और उनकी सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं. खुजली की वजह से जोसेफ

छठ पर घर लौटना हुआ मुश्किल, ट्रेनों में लंबी वेटिंग से यात्री परेशान, फ्लाइट का किराया भी चार

रांची, एजेंसी। दीपावली और छठ महापर्व पर घर लौटने की तैयारी कर रहे लोगों के सामने इस बार दोहरी परेशानी है. नियमित ट्रेनों में कन्कर्म टिकट मिलना मुश्किल हो गया है, तो हवाई सफर का किराया आम दिनों के मुकाबले तीन से चार गुना तक महंगा हो गया है. दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु जैसे महानगरों से रांची लौटने वाले नौकरपेशा लोगों और विद्यार्थियों को टिकट के लिए जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ रही है. वहीं, छठ पर बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए भी कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग और कुछ तारीखों पर टिकट उपलब्ध नहीं होने की स्थिति है. ऐसे में त्योहार पर परिवार के साथ समय बिताने की चाह रखने वाले यात्रियों को सफर की योजना पहले से बनानी पड़ रही है.

छठ के आसपास रांची और हटिया आने वाली नियमित ट्रेनों में सीटों का संकट गहरा गया है. दिल्ली से आने वाली नई दिल्ली-रांची गरीब रथ एक्सप्रेस (12878) में 3 से 15

नवंबर के बीच कई तारीखों पर 200 से अधिक वेटिंग बताई गई है. आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस (12874) में 3 से 17 नवंबर के बीच अलग-अलग श्रेणियों में 10 से 112 तक वेटिंग है. कुछ तारीखों पर बुकिंग की स्थिति रिएट तक पहुंच गई है. झारखंड संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (12826) में 4, 7, 11 और 14 नवंबर को स्लीपर श्रेणी में 100 से अधिक तथा थर्ड एसी में 86 तक वेटिंग बताई गई है. आनंद विहार-पुरुलिया एक्सप्रेस (14022) में भी नवंबर की चुनिंदा तारीखों पर थर्ड एसी में करीब 90 और स्लीपर में 70 से अधिक वेटिंग है. बेंगलुरु से आने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों को राहत नहीं मिल रही है. बेंगलुरु-हटिया एक्सप्रेस (12836) में कुछ तारीखों पर थर्ड एसी में 125 तक और स्लीपर में 100 से अधिक वेटिंग है. बेंगलुरु-हटिया की दूसरी नियमित ट्रेन (18638) में भी नवंबर की कई तारीखों पर लंबी

वेटिंग की स्थिति बताई गई है. मुंबई से हटिया आने वाली लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस (12811) में भी कई तारीखों पर सभी श्रेणियों में सीटें फुल हैं. छठ महापर्व के दौरान 9 से 12 नवंबर के बीच बिहार जाने वाली ट्रेनों में भी सीटों की मांग बढ़ी हुई है. मौर्य एक्सप्रेस (15027), हटिया-इस्लामपुर एक्सप्रेस (18624) और पाटलिपुत्र एक्सप्रेस (18622) में अलग-अलग श्रेणियों में लंबी वेटिंग बताई गई है. कुछ तारीखों पर रिएट की स्थिति भी है. रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस में 11 और 12 नवंबर को सीटों की उपलब्धता सीमित बताई गई है, जबकि रांची-गोड्डा एक्सप्रेस में 7, 10 और 12 नवंबर को भी वेटिंग है. ट्रेनों में कन्कर्म टिकट की मुश्किल के बीच यात्रियों के पास वैकल्पिक साधन के रूप में हवाई सफर का विकल्प है, लेकिन वहां भी किराये ने परेशानी बढ़ा दी है.

झारखंड में नवंबर में जुटेंगे देश-विदेश के सरना धर्मावलंबी, मरांग बुरु और ललपनिया में होंगे दो बड़े महासम्मेलन

रांची, एजेंसी। झारखंड में नवंबर महीने में सथाल समाज और सरना धर्मावलंबियों के दो बड़े महासम्मेलनों का आयोजन होने जा रहा है. गिरिडीह के मरांग बुरु और बोकारो के ललपनिया में आयोजित होने वाले इन सम्मेलनों में देश के विभिन्न राज्यों के साथ विदेशों से भी सरना धर्मावलंबियों के जुटने की उम्मीद है. आयोजकों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दोनों महासम्मेलनों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया है.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में सथाल

संस्कृति, सामाजिक न्याय और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष की परंपरा से है,इस पहचान को राजनीतिक नारों तक सीमित नहीं किया जा सकता. झामुमो के केन्द्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा कि भाजपा के नेता छात्रों और युवाओं के मुद्दों पर घड़ियाली आंसू मलाने के बजाय तथ्यों के साथ अपनी बात रखें. युवाओं के भविष्य और रोजगार जैसे गंभीर विषयों को राजनीतिक लाभ का हथियार बनाना उचित नहीं है. राज्य सरकार युवाओं के हितों और रोजगार के सवाल पर प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है. भाजपा को यह बताना चाहिए कि केंद्र सरकार के स्तर पर रोजगार, महाई और युवाओं के भविष्य से जुड़े सवालों पर उसका क्या जवाब है. उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के

काफी परेशान था और लगातार रो रहा था. कर्मचारियों की सलाह पर उसे अभिभावक के पास भेजने का फैसला लिया गया. बच्चे को दूसरे बच्चे के माध्यम से घर पहुंचवाया गया था, लेकिन उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि घर पर ताला लगा है और वहां कोई मौजूद नहीं है: उपेंद्र शर्मा, वार्डन, पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय

पेमिया ऋषिकेश अनाथ विद्यालय का संचालन टुंडी के विधायक मथुरा महतो से जुड़ा है. विद्यालय का नाम उनके माता-पिता के नाम पर रखा गया है. बच्चों के खुजली से पीड़ित होने के मामले विधायक मथुरा महतो ने कहा कि उन्हें भी इस समस्या की जानकारी है. पिछले सप्ताह ही डॉक्टरों की टीम विद्यालय पहुंची थी और बच्चों को दवाइयां दी गई थीं. उन्होंने बताया कि बच्चों के समुचित इलाज के लिए दोबारा डॉक्टरों की टीम भेजने को कहा गया है. विधायक के मुताबिक, खुजली की बीमारी में तुरंत राहत मिलना जरूरी नहीं है. दवाइयां दिए जाने के बाद धीरे-धीरे बच्चे स्वस्थ होंगे. बच्चों के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम भेजने की बात सामने आई है, लेकिन सवाल सिर्फ दवाइयों तक सीमित नहीं है.

रामगढ़ में होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू, पहले और दूसरे राउंड की दौड़ पूरी

रामगढ़, एजेंसी। झारखंड के रामगढ़ जिले में होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई. रामगढ़ के सिद्धू-कान्हू मैदान में सुबह पांच बजे से ही अभ्यर्थियों के प्रवेश और दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की गई. इसके बाद दौड़ के साथ शारीरिक दक्षता परीक्षा शुरू की गई. पहले और दूसरे राउंड की परीक्षा पूरी हो चुकी है, जबकि अन्य अभ्यर्थियों की दौड़ जारी है. जिला प्रशासन ने बहाली प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं. रामगढ़ के सिद्धू-कान्हू मैदान में शनिवार, 24 अक्टूबर से होमगार्ड बहाली की शारीरिक दक्षता परीक्षा की शुरुआत हो गई है. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, सुबह पांच बजे से ही अभ्यर्थियों का मैदान में प्रवेश और प्रवेश पत्र सहित जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन शुरू किया गया. इसके बाद अभ्यर्थियों की दौड़ कराई गई.

बहाली प्रक्रिया के पहले दिन पहले और दूसरे राउंड की शारीरिक दक्षता परीक्षा पूरी करा ली गई है. वहीं, शेष अभ्यर्थियों की परीक्षा जारी है. इस बहाली प्रक्रिया में जिला प्रशासन की ओर से पारदर्शिता और अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा

रांची विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षा पर कार्यशाला: पीएचडी प्रवेश साक्षात्कार के दूसरे दिन 71.64 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित



रांची, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक शिक्षा को आसान बना सकते हैं लेकिन शिक्षक की मानवीय संवेदना और विद्यार्थियों को समझने की क्षमता का विकल्प नहीं बन सकते. शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों का विकास करना भी है. यह बात रांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सरोज शर्मा ने शुक्रवार को मोरहाबादी परिसर स्थित आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यशाला में कही.

रांची विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'डिजिटल युग में शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा' विषय

पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई. इसमें शिक्षक महाविद्यालयों के करीब 450 प्रशिक्ष शिक्षक और 50 प्राध्यापक शामिल हुए. कुलपति ने कहा कि तकनीक सीखने की प्रक्रिया को सरल बनाती है लेकिन विद्यार्थियों की भावनाओं को समझना, उनमें आत्मविश्वास जगाना और उन्हें संवेदनशील नागरिक बनाना शिक्षक की विशिष्ट भूमिका है. उन्होंने शिक्षकों से डिजिटल तकनीक का उपयोग मानवीय मूल्यों के साथ करने और शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की. इस कार्यशाला में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की विशेषज्ञ डॉ. पूजा ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आत्म-जागरूकता और विद्यार्थियों के प्रति सहानुभूति के महत्व पर चर्चा की.

उपायुक्त ऋतुराज और पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणागत के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस बल की तैनाती की गई है. परीक्षा स्थल पर केवल वैध प्रवेश पत्र वाले अभ्यर्थियों को ही



प्रवेश दिया जा रहा है. बाहरी व्यक्तियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रवेश पर भी सख्ती बरती जा रही है. अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए मैदान में शुद्ध पेयजल, प्राथमिक चिकित्सा और बैठने की व्यवस्था की गई है. जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से किसी भी तरह के बहकावे में नहीं आने और अनुशासन के साथ परीक्षा में शामिल होने की अपील की है.

एक पेड़ मां के नाम अभियान की देवघर में धीमी रफ्तार, अब तक महज 70 प्रतिशत ही पौधरोपण



देवघर, एजेंसी। पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण को जन आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की थी. इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मातृत्व और प्रकृति के बीच भावनात्मक संबंध स्थापित करते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करना और लोगों को संरक्षण सुनिश्चित करना है. अभियान के तहत मां के नाम पर एक पेड़ लगाने की अपील की गई थी, ताकि जिस तरह मां के प्रति सम्मान और स्नेह का भाव रहता है, उसी तरह पेड़ के प्रति भी जिम्मेदारी का अहसास हो और लोग उसकी देखभाल करें.

इस अभियान को सफल बनाने के लिए सरकारी विभागों, स्कूलों, स्थानीय निकायों और आम नागरिकों को जोड़ा गया है. झारखंड में भी अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. खासकर सरकारी स्कूलों में शिक्षकों और विद्यार्थियों के माध्यम से पौधरोपण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है. हालांकि, सथाल परगना के कई

जिलों में अभियान की रफ्तार अपेक्षा के अनुरूप नहीं है. वहीं, पौधरोपण के बाद पौधों के संरक्षण को लेकर भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं. शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पूरे झारखंड में लगभग 30 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. वहीं, देवघर जिले के करीब 2,200 स्कूलों में लगभग 1 लाख 40 हजार पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया है. देवघर जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार के अनुसार, पांच जून से शुरू हुए इस अभियान में जिले के विभिन्न स्कूलों के शिक्षक और विद्यार्थी लगातार पौधरोपण कर रहे हैं. डीएसई ने बताया कि 13 सितंबर तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, जिले में लगभग 36 हजार पौधे लगाए गए थे. हालांकि, श्रावणी मेले के कारण शुभआती दौर में पौधरोपण की गति अपेक्षाकृत धीमी रही. इसके बाद अगले एक महीने में शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयास से पौधरोपण की संख्या बढ़कर लगभग 98 हजार तक पहुंच गई.

दिल्ली चलो रैली से कितना बदलेगा सियासी परिदृश्य?



सौरभ वार्धन्य

चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि ‘दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता और नागरिक अधिकारों की अभिव्यक्ति का आधार है। ऐसे में जब चुनाव प्रक्रिया अथवा मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठते हैं, तो उनका महत्व किसी एक राजनीतिक दल या गठबंधन तक सीमित नहीं रहता। यह लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है। इसी संदर्भ में इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपना राजनीतिक अभियान तेज करने की तैयारी की है। गठबंधन की प्रस्तावित ‘दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग की घोषणा ने चुनावी पारदर्शिता, संवैधानिक जवाबदेही और विपक्ष की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। वहीं एसआईआर का आशय था कि मतदाता सूचि को संशोधित किया जाये जबकि बार बार सिस्टम की नाकामी साबित सामने आ रही है। ऐसे में इंडिया गठबंधन के दिल्ली चलो रैली से किना सियासी परिदृश्य बदलेगा यह देखने वाली बात होगी?

इंडिया गठबंधन को ले तो इनके प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग आयोजित किया जाएगा, जबकि एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में ‘दिल्ली चलो’ रैली होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग को लेकर जनता के सामने अपना पक्ष रखा जाएगा। गठबंधन का आरोप है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया में अनियमितताएं हुई हैं। हालांकि, इन आरोपों की वास्तविकता का आकलन संबंधित तथ्यों, दस्तावेजों और चुनाव आयोग के जवाब के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में मतदाता सूची तैयार करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल हों और अपात्र नाम हटाए जाएं, यह सुनिश्चित करना निर्वाचन व्यवस्था की जिम्मेदारी है। लेकिन इस प्रक्रिया में किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने, गलत तरीके से हटने या किसी अन्य प्रकार की त्रुटि की शिकायत सामने आती है, तो उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

एसआईआर जैसी प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना हो सकता है, लेकिन उसकी सफलता



केवल प्रशासनिक आंकड़ों से नहीं, बल्कि पारदर्शिता और नागरिकों के भरोसे से तय होगी। यदि किसी महदाता को अपना नाम हटाए जाने या शामिल नहीं किए जाने की आशंका है, तो उसे आपत्ति दर्ज कराने, दस्तावेज प्रस्तुत करने और समयबद्ध समाधान प्राप्त करने का प्रभावी अवसर मिलना चाहिए। विशेष रूप से गरीबों, प्रवासी श्रमिकों, बुजुर्गों और उन नागरिकों के लिए व्यवस्था सरल होनी चाहिए, जिनके पास आवश्यक दस्तावेज जुटाने के सीमित साधन हैं। इंडिया गठबंधन ने इसी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को अपना प्रमुख मुद्दा बनाया है। अब महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या विपक्ष अपने आरोपों को ठोस प्रमाणों के साथ सामने रख पाएगा और क्या चुनाव आयोग प्रत्येक शिकायत का स्पष्ट एवं तथ्यपरक उत्तर देगा? लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप लगाने का अधिकार विपक्ष को है, लेकिन आरोपों की जांच और निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए।

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल चुनाव संपन्न कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और कानून के अनुरूप हो। आयोग के प्रति जनता का विश्वास कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणामों की स्वीकार्यता

और राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए चुनाव आयोग को विपक्ष की आलोचना को केवल राजनीतिक आरोप मानकर खारिज करने के बजाय, जहां आवश्यक हो, तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। मतदाता सूची में संशोधन, नाम हटाने की प्रक्रिया, दावों और आपत्तियों के निस्तारण तथा शिकायतों पर कार्रवाई से संबंधित जांचकारी सार्वजनिक करना इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है।

दूसरी ओर, किसी संवैधानिक पदाधिकारी पर लगाए गए आरोपों को प्रमाणित मान लेना भी उचित नहीं होगा। मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस्तीफे की मांग करना विपक्ष का राजनीतिक अधिकार है, लेकिन पद से हटाने की प्रक्रिया संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों के अनुरूप ही हो सकती है। प्रतीकात्मक ‘जन महाभियोग जनता के बीच राजनीतिक संदेश देने का माध्यम हो सकता है, परंतु वह अपने आप में किसी संवैधानिक पदाधिकारी को हटाने की औपचारिक कानूनी प्रक्रिया का विकल्प नहीं है।

रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली इंडिया गठबंधन के लिए अपनी एकजुटता प्रदर्शित करने का अवसर भी होगी। चुनावी पारदर्शिता जैसे मुद्दे पर विपक्ष विभिन्न दलों को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है। यदि गठबंधन इस अभियान को

केवल नारों और आरोपों तक सीमित रखने के बजाय प्रभावित मतदाताओं की शिकायतों, दस्तावेजी साक्ष्यों और सुधार के ठोस सुझावों से जोड़ता है, तो उसे व्यापक जनसमर्थन मिल सकता है। लेकिन विपक्ष के सामने एक चुनौती यह भी है कि जनता के सामने उसकी विश्वसनीयता केवल सरकार या चुनाव आयोग की आलोचना से नहीं बनेगी। उसे यह बताना होगा कि मतदाता सूची की त्रुटियों को दूर करने के लिए वह कौन-से व्यावहारिक उपाय चाहता है और नागरिकों के मतदान के अधिकार की रक्षा के लिए उसकी स्पष्ट कार्ययोजना क्या है। राजनीतिक दलों के लिए यह भी जरूरी है कि वे अपनी शिकायतों को संबंधित वैधानिक मंचों पर उठाएं और उपलब्ध कानूनी उपायों का उपयोग करें।वहीं, सत्तापक्ष और चुनाव आयोग की ओर से भी अपेक्षा की जाती है कि वे इस मुद्दे को केवल विपक्ष की राजनीति बताकर टालने के बजाय सार्वजनिक विश्वास को मजबूत करने वाले कदम उठाएं। लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा आलोचना से नहीं, बल्कि पारदर्शी कामकाज, जवाबदेही और निष्पक्ष आचरण से मजबूत होती है।

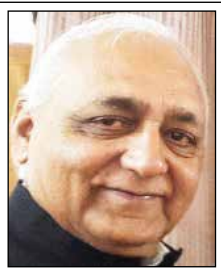
इंडिया गठबंधन की ‘दिल्ली चलो रैली और मुख्य चुनाव आ्युक्त के खिलाफ प्रस्तावित प्रतीकात्मक कार्यक्रम का वास्तविक महत्व इस बात से तय होगा कि इससे मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर कितनी सार्थक चर्चा आगे बढ़ती है। केवल भीड़ जुटाना या राजनीतिक आरोपों को दोहराना किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। इसी तरह, शिकायतों को अनदेखा करना भी लोकतांत्रिक विश्वास के लिए उचित नहीं होगा। जरूरत इस बात की है कि मतदाता सूची से जुड़ी प्रत्येक गंभीर शिकायत की निष्पक्ष जांच हो, प्रभावित नागरिकों को न्याय मिले और चुनाव आयोग अपने निष्णयों तथा प्रक्रियाओं के संबंध में पर्याप्त पारदर्शिता बनाए रखे। विपक्ष को भी अपने नागरिकों के समर्थन में प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए और राजनीतिक आंदोलन को संस्थागत सुधारों से जोड़ना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती सत्ता पक्ष की जीत या विपक्ष की हार से नहीं, बल्कि इस विश्वास से तय होती है कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मत सुरक्षित है और चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार निष्पक्ष ढंग से संचालित होती है। अंततः चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और सरकार—सभी की जवाबदेही जनता के प्रति है। यदि ‘दिल्ली चलो अभियान इस जवाबदेही को मजबूत करने और मतदाता के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस पहल का माध्यम बनता है, तो इसका महत्व किसी एक रैली या राजनीतिक टकराव से कहीं अधिक होगा।

संपादकीय

भारत-अमरीका तेल गठबंधन

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप अचानक इतने विनम्र और दोस्ताना क्यों हो गए हैं? भारत के लिए अच्छी-अच्छी बातें करने लगे हैं। उन्हें पूरी उम्मीद है कि भारत के साथ व्यापार-समझौता जरूर होगा। ट्रंप लगातार बयान देते रहे हैं कि यह समझौता अंतिम चरण में है। अमरीकी राष्ट्रपति ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर विदेश मंत्री एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो को भारत भेजा। तीन दिन के प्रवास के दौरान रूबियो ने भारत को ‘रिफाइनिंग सुपरपावर’ करार दिया। उन्होंने रिलायंस चेयरमैन मुकेश अंबानी के अलावा अदानी समूह के चेयरमैन गौतम अदानी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन सरीखे शीर्ष उद्योगपतियों से मुलाकातें कीं। यह कर्मशैल्य कूटनीति का स्पष्ट संकेत है। अमरीकी विदेश मंत्री को रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी तक जाना पड़ा, क्योंकि वह जानते हैं कि वेनेजुएला के सल्फर-बहुल, भारी, निम्न दर्जे के कच्चे तेल का शोधन जामनगर रिफाइनरी ही कर सकती है। रिफाइनिंग के क्षेत्र में भारत अमरीका, चीन, रूस के बाद चौथा सक्षम देश है और जामनगर समेत भारत की 23 रिफाइनरियां दुनिया में 21 फीसदी से अधिक भागीदारी निभा रही हैं। अमरीका और यूरोप भारत के पेट्रो उत्पादों-डीजल, पेट्रोल, विमान ईंधन आदि-के बड़े खरीददार हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था और प्रभुत्व का यह नया चेहरा तब सामने आया है, जब अमरीकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने राष्ट्रपति ट्रंप की इच्छा जाहिर की है कि तेल के क्षेत्र में भारत-अमरीका गठबंधन बनाया जाए। भारत अमरीका का रणनीतिक साझेदार तो है, लेकिन भारत अपनी तेल-जरूरतों की पूर्ति अमरीका के जरिए कर सकता है। इस तरह अमरीका भारत के साथ संबंधों को नया आधार, आयाम और नई मजबूती देने का पक्षधर है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने वाला कानून फिलहाल उठे बस्ते में रख दिया है, क्योंकि खुद अमरीका रूस से डीजल का आयात कर रहा है। नए परिदृश्य में हमने अमरीका से जलवरी-सिस्तंत्र में करीब 1.28 लाख बैरल कच्चा तेल प्रतिदिन खरीदा था, लेकिन अक्तूबर में यह आयात घटा कर करीब 91,000 बैरल करना पड़ा। अमरीकी तेल कई दिनों बाद सप्लाई होता है और परिवहन की लागत के कारण महंगा भी पड़ रहा था।

भारत अमरीका से 8 अरब डॉलर से अधिक का तेल आयात करता है। बहरहाल भारत ने रूस से तेल का आयात जारी रखा है, लेकिन खाड़ी देशों पर निर्भरता काफी कम कर दी है। ईरान युद्ध और समुद्री मार्ग की नाकेबंदी बुनियादी वजह हो सकती है। चूंकि वेनेजुएला दुनिया में सबसे बड़ा तेल-उत्पादक और निर्यातक देश है, उस पर अब अमरीका का कब्जा है, लिहाजा विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने विकल्प रखे हैं कि भारत अब रूस के बजाय अधिकतम तेल अमरीका से ही आयात करे। अमरीका ने अब प्रतिबंधों की भाषा बोलीनी बंद कर दी है। अमरीका वेनेजुएला का भारी तेल रिलायंस रिफाइनरी से ही शोधित कराना चाहता है, डटा क्षेत्र में भी अंबानी, अदानी समूहों की काफी सक्रिय भूमिका है, लिहाजा आज अमरीका अप्रत्याशित रूप से विनम्र दिख रहा है और भारत के साथ तेल गठबंधन की बात कर रहा है। कभी अमरीका भारत को ‘बाजार और उद्योग की चींटी’ मानता था, लिहाजा बात करना भी अपना अपमान समझता था, लेकिन अब विश्व और व्यापार के समीकरण बदल चुके हैं। भारत अब विश्व-व्यवस्था में महाशक्ति के तौर पर मौजूद है। यह नए दौर, नई व्यवस्था, नई ‘सुपरपावर’ के साथ नए किस्म के राजनयिक संबंधों का शुरुआत है। वैसे भी राष्ट्रपति ट्रंप अभी अपनी राजनीति और लोकप्रियता के निम्नतम पायदान पर हैं, उन्हें करीब 31 फीसदी लोग ही समर्थन दे रहे हैं, करीब 68 फीसदी अमरीकी उनकी आर्थिक नीतियों के खिलाफ हैं, उनमें 37 फीसदी रिपब्लिकन समर्थक भी हैं, लिहाजा उन्हें कुछ कर दिखाने की जरूरत है। अमरीका को पेट्रो उत्पादों की सख्त जरूरत है, डीजल-पेट्रोल के दाम अप्रत्याशित स्तर पर बताए जा रहे हैं, ईरान युद्ध में अमरीका के करीब 265 अरब डॉलर फूक दिए जा चुके हैं, लिहाजा ट्रंप रक्षात्मक स्थिति में है कि लोकप्रियता को कैसे बहाल किया जाए? भारत इस संदर्भ में मदद कर सकता है, क्योंकि तेल-शोधन की उसकी क्षमताएं अमरीका भी जान चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत ट्रंप पर निर्णायक विश्वास करने का जोखिम उठ सकता है? ट्रंप की जिस तरह की गतिविधियां रही हैं, उनको देखते हुए उन पर विश्वास करना कठिन है। वह पहले दिन कहते हैं कि इरान से जंग खत्म होने वाली है, और दूसरे दिन कहते हैं कि अमरीका उस पर निर्णायक प्रहार करेगा। पहले दिन कहते हैं कि भारत पर ज्यादा टैक्स नहीं लगेगा, दूसरे दिन सौ प्रतिशत कर लगाने की बात दोहराते हैं। इस तरह की उनकी मनोस्थिति में उन पर विश्वास नहीं होता है।



तनवीर जाफरी

सऊदी अरब की अल मजाल कंपनी में काम करने वाले बांग्लादेश के दो नागरिकों नज़रूल इस्लाम अब्दुल बाफिर (पुरुष-22) और स्वीटी अख्तर (महिला) को गत 14 अक्टूबर को मक्का क्षेत्र में मृत्युदंड दे दिया गया। नज़रूल इस्लाम बांग्लादेश के ब्राह्मणबाड़िया जिले के रहने वाले थे जबकि स्वीटी अख्तर तंगाइल जिले की निवासी थीं। यह दोनों एक दूसरे के दोस्त थे और 2022 के अंत में सऊदी अरब पहुँच कर वहाँ की अल मजाल नामक कंपनी में सफ़ाई कर्मचारी के रूप में काम करने लगे थे। उन्हें मई 2023 में सऊदी अरब की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप था कि इन दोनों ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का की एक मस्जिद के कमरे में अवैध व अनैतिक रूप से यौन कृत्य किया। बताया जा रहा है कि सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को पवित्र शहर मक्का के भीतर एक मस्जिद परिसर में इसी अभद्र

कृत्य करने के आरोप में रों हाथों गिरफ्तार किया था। इस मामले में 39 महीने तक यह दोनों जेल में रहे और इस बीच सुनवाई चलती रही। सऊदी गृह मंत्रालय के अनुसार इस घटना की गहन जांच की गई। उसके बाद निचली अदालत में मुकदमा चला। इसके बाद 13 न्यायाधीशों के पुनर्विचार करने वाले एक उच्च पैराल ने भी इस सजा को बरकरार रखा, जिसके बाद ही शाही फ़रमान के ज़रिए इसे लागू किया गया। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, यह अपराध मक्का क्षेत्र में एक पवित्र मस्जिद परिसर के भीतर हुआ था। इस्लाम धर्म में मक्का और वहाँ की मस्जिदों को बेहद पवित्र माना जाता है। सऊदी न्यायशास्त्र के अनुसार, ऐसे स्थानों पर अनैतिक कृत्य करना एक गंभीर धार्मिक और कानूनी अपराध है, जिसके लिए कठोरतम सजा का प्रावधान है। फांसी की यह सज़ा ताज़ीर के तहत दी गई थी। शरिया में ताज़ीर उन अपराधों के लिए होता है जिनकी सज़ा कुरान या हदीस में तय नहीं होती, बल्कि न्यायाधीश स्वयं अपराध की गंभीरता और समाज पर उसके प्रभाव को देखते हुए मौत की सज़ा तक का फैसला ले सकते हैं। ताज़ीर कानून का अर्थ एक ऐसी सज़ा जो इतिहास में भूली न जा सके और जिसे सुनकर कोई भी व्यक्ति कभी भी ऐसी हक़त करने की भी ना सोचे। इस सज़ा की भले ही बांग्लादेश सहित विभिन्न मानवाधिकार संगठनों द्वारा आलोचना क्यों न की जा रही हो परन्तु सऊदी अरब के गृह मंत्रालय और न्यायिक अधिकारियों के दृष्टिकोण से इस सज़ा को उनके देश के कानूनों के अनुसार उचित माना गया है। फांसी देने के

बाद सऊदी गृह मंत्रालय ने अपने बयान में कहा है कि सऊदी हुकूमत न्याय की रक्षा करने , सुरक्षा बनाए रखने और मस्जिदों की पवित्रता व मर्यादा का उल्लंघन करने वाले या दूसरों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ इस्लामी शरीया कानून सख्ती से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। जो भी ऐसा अपराध करेगा उसका अंजाम यही होगा। सऊदी अरब का मानना है कि एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में उसे अपने देश की सीमाओं के भीतर अपराध कानूनों को लागू करने का पूरा अधिकार है। गौरतलब है कि वहाँ की न्याय प्रणाली पूरी तरह से इस्लामी शरिया कानून पर आधारित है। परन्तु इस घटना के बाद बांग्लादेश और सऊदी अरब के बीच कूटनीतिक तनाव गहरा गया है। बांग्लादेश सरकार और जेद्दा स्थित बांग्लादेशी महावाणिज्य दूतावास को इस फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। हालाँकि गत सितंबर में सऊदी अरब द्वारा साझा की गई 2,500 कैदियों की सूची में इन दोनों के नाम जरूर थे परन्तु उनके नाम के साथ उन्हें दी जाने वाली मौत की सज़ा का कोई ज़ि़र नहीं था। बल्कि गोपनीय दस्तावेज़ों के मुताबिक स्वीटी अख्तर पर व्यभिचार और नज़रूल इस्लाम पर साइबर अपराध के अलग-अलग आरोप दर्ज थे। इसीलिये बांग्लादेश ने इस गुप्त फांसी पर गंभीर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शाहिदुल करीम और राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने कहा कि विनया कन्वेंशन ऑन कासुलर रिलेशंस के तहत यदि किसी विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया जाता है या मौत की सज़ा

दी जाती है, तो उसकी जानकारी संबंधित देश के दूतावास को देना अनिवार्य है। परन्तु सऊदी अरब ने बांग्लादेशी वाणिज्य दूतावास को सूचित किए बिना गुप्तचु तरीके से फांसी दी इसलिये इसे राजनयिक स्तर पर पूरी तरह अनुचित माना गया है। इसीलिये ढ़का ने आधिकारिक तौर पर सऊदी अरब से अदालतीफ़ैसलों की प्रतियां, अपराधों का पूरा विवरण और बिना सूचना दिए फांसी देने का कारण पूछा है। बांग्लादेश की जनता में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख और आक्रोश है। स्थानीय सोशल मीडिया और स्थानीय मीडिया में इस संबंध में अपनी सरकार की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहाँ के लोग इस घटना की तुलना श्रीलंका के नागरिक अनेजन सिवारसा के मामले से कर रहे हैं, जिसकी इश निंदा की मौत की सज़ा को इंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक दबाव के बाद सऊदी अरब ने अंतर फांसी देने का कारण पूछा है। इसके अतिरिक्त एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी वैश्विक संस्थाओं ने भी सऊदी अरब की न्यायिक प्रणाली और मृत्युदंड की बढ़ती दरों पर एक बार फिर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने इस बात की आलोचना की है कि बिना पारदर्शी अदालती कार्यवाही, बिना उचित कानूनी प्रतिनिधत्व के, और गुप्त रूप से विदेशी नागरिकों को फांसी देना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। गौरतलब है कि सऊदी अरब में वर्तमान में करीब 35 लाख बांग्लादेशी प्रवासी मजदूर रहते हैं, जो बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था के लिए प्रेषित धन का मुख्य माध्यम है।

संविधान सर्वोपरि, मूल अधिकारों में छेड़छाड़ नहीं कर सकती संसद!



सोहिल जैन

मौलिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता, मताधिकार, संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति पर संसद के अधिकार सीमित...

भारतीय संविधान केवल शासन चलाने का दस्तावेज नहीं, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्रता, समानता और लोकतांत्रिक अधिकारों का संरक्षक है। संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार अवश्य है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। संसद के दोनों सदन मिलकर भी संविधान के मूल ढांचे को समाप्त नहीं कर सकते। यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी संवैधानिक शक्ति है। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत किया गया, 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान निर्माताओं ने ऐसी व्यवस्था बनाई, जिसमें संसद, सरकार और न्यायपालिका सभी संविधान के अधीन अपने कर्तव्यों और अधिकारों का पालन करें। संसद कानून बना सकती है, सरकार उनका क्रियान्वयन कर सकती है, न्यायपालिका को समीक्षा का अधिकार दिया गया। किसी को भी संविधान की मूल भावना को कम या नष्ट करने का अधिकार नहीं है। भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों भगवानों के पास अलग-अलग दायित्व हैं। संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति में नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए इन्हें तीन शक्तियों को विधायक का कार्यपालिका और न्यायपालिका के रूप में स्वीकार किया जनता जनार्दन अपनी मर्जी से सरकार चुनेगी, चुने हुए प्रतिनिधि जनता की इच्छा को सर्वोपरि मानते

हुए जनता के अधिकारों की रक्षा करेंगे।यह भारतीय संविधान की मूल भावना है। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता को ही राजा माना गया है।

संसद की शक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की ऐतिहासिक मुहर

24 अप्रैल 1973 को सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया। 13 न्यायाधीशों की पीठ ने 7-6 के बहुमत से स्पष्ट किया। संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान के किसी भी प्रावधान में संशोधन कर सकती है, लेकिन संविधान के मूल ढांचे में छेड़छाड़ और उसे समाप्त नहीं कर सकती है। इस फैसले ने संसद की संशोधन शक्ति की संवैधानिक सीमा निर्धारित कर दी हैं। लोकतंत्र, कानून का शासन, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक समीक्षा और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव जैसी विशेषताएँ संविधान के मूल ढांचे से जुड़ी हुई हैं। इसका अर्थ है कि संसद अपने बहुमत के बल पर ऐसी व्यवस्था स्थापित नहीं कर सकती, जिसमें नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकार और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए। इस मामले में विधायिका और कार्यपालिका के अधिका भी सीमित हैं।

मौलिक अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता भारतीय संविधान के भाग तीन में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का प्रावधान है। अनुच्छेद 14 कानून के समक्ष समानता, अनुच्छेद 19 नागरिक स्वतंत्रताओं, अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता तथा अनुच्छेद 25 से 28 धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित प्रावधान हैं। अनुच्छेद 32 नागरिकों को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर सीधे सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार देता है। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट को बनाया गया। उच्च न्यायालयों को अनुच्छेद 226 के अंतर्गत रिट के माध्यम से अतिरिक्त शक्ति प्राप्त है। जो विधायिका और कार्यपालिका के ऊपर न्यायपालिका की नियंत्रण शक्ति है। इसका अर्थ यह नहीं है, मौलिक अधिकारों से संबंधित किसी भी प्रावधान में संशोधन नहीं हो सकता

है। संसद संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार संशोधन कर सकती है। लेकिन ऐसे सभी संशोधन न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। संविधान के मूल ढांचे में संसद भी छेड़छाड़ नष्ट नहीं कर सकती है। आपातकाल ने सिखाया संवैधानिक सीमाओं का महत्व 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं और न्यायिक समीक्षा पर गंभीर सवाल उठे। वर्ष 1976 के 42वें संविधान संशोधन ने संसद की संशोधन शक्ति को व्यापक बनाने और न्यायिक समीक्षा को सीमित करने के प्रयास किए थे । 1980 में भिनवाँ मिल्स बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 42वें संशोधन के उन प्रावधानों को अस्वैधानिक घोषित कर दिया, जिसमें संसद की संशोधन शक्ति को असीमित बनाने और न्यायिक समीक्षा को समाप्त करने का प्रयास किया था। अदालत ने स्पष्ट किया, सीमित संशोधन शक्ति स्वयं संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है।

मतदान का अधिकार, लोकतंत्र और संविधान की असली ताकत

मतदान भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है। अनुच्छेद 326 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों में वयस्क मताधिकार का संवैधानिक आधार प्रदान करता है। मतदान के अधिकार की कानूनी प्रकृति मौलिक अधिकारों से अलग है। इसे संविधान और चुनाव संबंधी कानूनों के प्रावधानों के अनुसार समझना आवश्यक है। स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नागरिक के मूल अधिकार तथा लोकतांत्रिक शासन संविधान के मूल ढांचे के महत्वपूर्ण अंग हैं। इसलिए संसद या सरकार ऐसी व्यवस्था नहीं बना सकती, जो लोकतंत्र की बुनियादी अधिकारों को नष्ट या सीमित कर सके। संसद को संविधान से शक्ति प्राप्त होती है। संविधान संसद ने नहीं बनाया। विधायिका को बहुमत के आधार पर सरकार बनाने का अधिकार मिलता है। संविधान की मूल भावना को समाप्त करने का अधिकार संसद के पास नहीं है । भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती इसी में है, जिसमें नागरिकों के अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, समानता और निष्पक्ष चुनाव सरकार की इच्छा पर नहीं, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और

परंपराओं पर आधारित हों। न्यायपालिका की समक्ष के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाएं भारत में सभी संवैधानिक संस्थाएं जिन्हें संवैधानिक अधिकार मिले हुए हैं, वह सभी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत आते हैं। चुनाव आयोग भी न्यायपालिका की समीक्षा के अंतर्गत है। चुनाव आयोग को ऐसे कोई अधिकार संविधान से नहीं मिले, जिससे वह अपनी मनमानी कर सके। चुनाव आयोग को भी नियमों के अंतर्गत काम करना होगा। चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर प्राप्त हों, सभी नागरिक अपने मतदान के अधिकार का उपयोग कर पायें। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग के पास है, वह भी जवाबदेह है। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और चुनाव आयोग पर सरकार की दखलंदजी बढी है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनैतिक दलों से दूरी बनाई। चुनाव के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में वह निष्पक्षता देखने को नहीं मिली। जो इसके पहले चुनाव आयोग में देखने को मिलती थी। मतदाता सूचियों को लेकर भी जिस तरह के बदलाव किए गए। बीएलओ और ईआरओ के अधिकार चुनाव आयोग ने सीमित कर दिये चुनाव व्यवस्था का केन्द्रीयकरण करते हुए चुनाव परिणाम भी केंद्रीकृत व्यवस्था से किए जाने लगे, जिसके कारण देश भर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा मांगा जा रहा है। देश में पहली बार चुनाव आयोग के प्रति इतना अविश्वास देखने को मिल रहा है। स्वतंत्रता की बात से अभी तक के इतिहास में पहली बार 13 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। नागरिकों के अधिकार को चुनाव आयोग द्वारा चुनौती दी गई है। ऐसा करने का उसके पास कोई अधिकार भी नहीं था। ऐसी स्थिति में सभी संवैधानिक संस्थाओं को समझना होगा,उनके अधिकार और जिम्मेदारी दोनों ही समीक्षा के अधिकार और जवाबदेही से अलग नहीं हैं। कोई भी संस्था संविधान से मिले अधिकारों का दुरुपयोग या मनमानी नहीं कर सकती है।



वाणी के पास इतिहास रचने का मौका



नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने Hero Women's Indian Open 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। टूर्नामेंट के तीसरे दिन वाणी ने तीन अंडर 69 का कार्ड खेलकर कुल पांच अंडर 211 स्कोर के साथ बढ़त हासिल कर ली। अब उनकी नज़रें एक दशक बाद इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का खिताब भारत वापस लाने पर हैं। वहीं, एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स और तवेसा मलिक भी खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। 32 वर्षीय वाणी कपूर ने तीसरे राउंड के दौरान शानदार खेल दिखाया। उन्होंने तीन अंडर 69 का कार्ड खेलते हुए कुल स्कोर पांच अंडर 211 तक पहुंचाया। वाणी अब खिताब की प्रबल दावेदार बन गई हैं और उनके पास अंतिम राउंड में इतिहास रचने का मौका होगा। वाणी कपूर को खिताब जीतने के लिए गत चैंपियन सिंगापुर की शैनन टैन और थाईलैंड की अनुभवी गोल्फर पोर्ननॉंग फाटलम से कड़ी चुनौती मिलेगी। शैनन ने तीसरे राउंड में 67 का कार्ड खेला, जबकि फाटलम ने 69 का कार्ड बनाया। दोनों खिलाड़ियों का कुल स्कोर वाणी से सिर्फ एक शॉट पीछे है, जिससे अंतिम दिन मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

परिवार और दोस्तों के समर्थन से आत्मविश्वास में वाणी

वाणी कपूर ने कहा कि परिवार और दोस्तों का साथ उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने बताया कि उनके करीबी लोग उन्हें याद दिलाते रहेंगे कि अभी 18 होल का खेल बाकी है और असली काम पूरा करना है। वाणी का मानना है कि यह समर्थन उन्हें शांत रहने और खिताब की चुनौती पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।

प्रणवी उर्स बीमारी और थकान के बावजूद चौथे स्थान पर

एशियन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स ने बीमारी और थकान से जूझने के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया। तीसरे राउंड में उन्होंने 73 का कार्ड खेला और कुल तीन अंडर 213 स्कोर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहें। अर्जेंटीना की मैग्डालेना सिमरमाकर भी इसी स्कोर के साथ उनके बराबर हैं। प्रणवी अब अंतिम राउंड में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगी।

सिनियाकोवा ने जीता खिताब



फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी को रौंदा

ओसाका, एजेंसी। चेक गणराज्य की टेनिस खिलाड़ी कैटरिना सिनियाकोवा ने जापान ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को खेले गए फाइनल में उन्होंने अमेरिका की एश्लिन क्रूगर को एकतरफा मुकाबले में 6-1, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनियाकोवा ने तीन साल बाद अपना पहला सिंगल्स खिताब जीता और करियर की छठी एकल ट्रॉफी अपने नाम की। कैटरिना सिनियाकोवा ने फाइनल में शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया और एश्लिन क्रूगर को वापसी का मौका नहीं दिया। उन्होंने महज 64 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। सिनियाकोवा ने पूरे मैच में क्रूगर की सर्विस छह बार तोड़ी और दोनों सेट में अपना दबदबा बनाए रखा।

तीन साल बाद जीता सिंगल्स खिताब

30 वर्षीय सिनियाकोवा के लिए यह जीत खास रही, क्योंकि उन्होंने आखिरी बार 2023 में चीन के नानचांग में जियांगशी ओपन का सिंगल्स खिताब जीता था। जापान ओपन की ट्रॉफी उनके करियर का छठा सिंगल्स खिताब है। उन्होंने पहली बार 2017 में चीन के शेनझेन में एकल खिताब जीतकर अपने करियर की शुरुआत की थी। सिनियाकोवा को टेनिस में खास तौर पर डबल्स की बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है। उनके नाम करियर में 39 डबल्स खिताब हैं। पिछले महीने उन्होंने टेलर टाउनसेंड के साथ यूएस ओपन महिला डबल्स का खिताब भी जीता था। जापान ओपन में मिली जीत ने उनके सिंगल्स करियर को भी नई मजबूती दी है।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप ललित कांस्य पदक के मुकाबले में पहुंचे



अस्ताना। भारत के ललित ने अमेरिका के मैक्स एमिलियानो नोवरी को 7-0 हराकर ग्रीको रोमन विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई, लेकिन तीन अन्य भारतीय पहलवान पहले दौर में ही बाहर हो गए। ललित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के इस्कर कुरबायेव से भिड़ेंगे। अगर वह यह मैच जीत जाते हैं तो विश्व चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

विश्व चैंपियनशिप में किस भारतीय ने जीता है पदक...

संदीप तुलसी यादव एकमात्र भारतीय हैं जिन्होंने 2013 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता नितेश सिवाच सहित तीन अन्य भारतीय पहलवान शुरुआती मुकाबलों से आगे नहीं बढ़ पाए। सिवाच को 97 किलोग्राम वर्ग में जर्मनी के एंटेन व्यूग से हार का सामना करना पड़ा। जर्मनी के खिलाड़ी ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल की।

करणजीत (72 किलोग्राम) अपने क्वालीफाईंग मुकाबले में जापान के रिनतारो सोगबे से 2-3 से हार गए। करनजीत अच्छी स्थिति में थे लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए जबकि सोगबे ने जवाबी हमला करके अंक बनाकर भारतीय खिलाड़ी को पीछे छोड़ दिया।

जोगिंदर राठी को 130 किलोग्राम वर्ग में तुर्किए के पहलवान और मौजूदा यूरोपीय चैंपियन रिजा कायात्यप से करारी हार का सामना करना पड़ा।

तिलक वर्मा के फिनिशर की भूमिका से प्रभावित हुए सैंटनर



क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी इंसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं, वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ

उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला। अगर आप फिनिशर की भूमिका निभाते हुए मैच खत्म करते हैं, तो आप अपना काम अच्छी तरह कर रहे हैं। इन तीनों बल्लेबाजों ने अंतिम चरण में शानदार प्रदर्शन किया।

न्यूजीलैंड ने कहां की गलती...

बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के बावजूद सैंटनर को लगा कि न्यूजीलैंड ने मैदान पर कुछ अहम मौकों पर गलतियां करके मैच अपने हाथ से निकलने दिया। उन्होंने भारतीय पारी के अंतिम चरण में कैच छोड़ने और क्षेत्ररक्षण में चूक को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, अगर दोनों टीमों के कोशल की तुलना करें तो मुकाबला काफी करीबी रहा है। फैसला मैदान पर कुछ छोटे-छोटे पलों से हुआ। दूसरे टी20 में लक्ष्य का पीछा करते समय अंतिम चरण में हम अच्छी स्थिति में थे, लेकिन हमने कुछ कैच छोड़े और क्षेत्ररक्षण में गलतियां कीं। यही चीजें मैच जिताती या हराती हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान ने कहा कि टीम इस हार की समीक्षा करेगी, लेकिन छूट हुए मौकों पर जरूरत से ज्यादा ध्यान देने के बजाय सकारात्मक पहलुओं को भी देखेंगे। सीरीज का अगला मुकाबला वेल्सिंगटन में खेला जाना है, जहां तेज हवाओं के कारण क्षेत्ररक्षण एक बार फिर चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वाल्टर को वापसी की उम्मीद, बोले- हमने मौके गंवाए



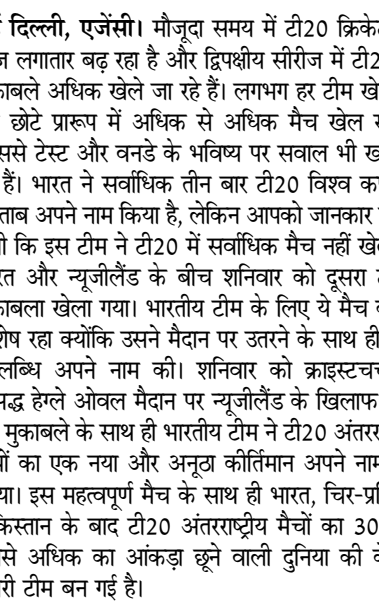
वेल्सिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच में अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा। वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनों मैच का अंत अपने अनुकूल नहीं कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच में कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों में अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतियां नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है। इसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दूसरे मैच की बात करें तो पावरप्ले में तीन विकेट गंवाने के बाद 180 रन तक पहुंचना आसान नहीं होता है। ईमानदारी से कहूं तो इस स्कोर का बचाव किया जा सकता था।

सैंटनर को सराहा

वाल्टर ने दूसरे मैच में कप्तान मिचेल सैंटनर के प्रदर्शन की भी प्रशंसा की जिन्होंने चार विकेट लेकर मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ दिया था। उन्होंने कहा, कभी-कभी उनके प्रदर्शन को सराहना नहीं मिलती है। यह कोई बहुत ज्यादा टर्न लेने वाली पिच नहीं थी। थोड़ी बहुत उछाल जरूर थी। लेकिन जिस तरह से उन्होंने गेंद को क्रीज पर घुमाया और अपनी गति का इस्तेमाल किया, वह वास्तव में काबिले तारीफ था।

पाकिस्तान से आगे निकला भारत का जीत का रिकॉर्ड, 300 टी-20 मैचों में दर्ज की 200 जीत



नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट का क्रेज लगातार बढ़ रहा है और द्विपक्षीय सीरीज में टी20 के मुकाबले अधिक खेले जा रहे हैं। लगभग हर टीम खेल के इस छोटे प्रारूप में अधिक से अधिक मैच खेल रही है जिससे टेस्ट और वनडे के भविष्य पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। भारत ने सर्वाधिक तीन बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया है, लेकिन आपको जानकारी हैरानी होगी कि इस टीम ने टी20 में सर्वाधिक मैच नहीं खेले हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शनिवार को दूसरा टी20 मुकाबला खेला गया। भारतीय टीम के लिए ये मैच काफी विशेष रहा क्योंकि उसने मैदान पर उतरने के साथ ही बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शनिवार को क्राइस्टचर्च के प्रसिद्ध हेले ओवल मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के साथ ही भारतीय टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का एक नया और अनूठा कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। इस महत्वपूर्ण मैच के साथ ही भारत, चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का 300 या उससे अधिक का आंकड़ा छूने वाली दुनिया की केवल दूसरी टीम बन गई है।

खेलने से पहले फिटनेस का आकलन करना जरूरी: धोनी



बंगलूरु, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने भविष्य को लेकर अहम संकेत दिया है। धोनी ने कहा कि अगले सीजन में खेलने का फैसला लेने से पहले उन्हें अपनी फिटनेस का आकलन करना होगा। उन्होंने संकेत दिया कि इस संबंध में दिसंबर से पहले फैसला लिया जा सकता है। बंगलूरु में एक हेल्थकेयर कार्यक्रम के दौरान धोनी से पूछा गया कि क्या वह आईपीएल का एक और सीजन खेलना चाहेंगे। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि पहले उन्हें फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा और रिपोर्ट के आधार पर यह देखा होगा कि वह एक और सीजन खेलने के लिए कितने मजबूत हैं। धोनी ने अपने भविष्य पर बात करते हुए कहा 'डॉक्टर, मुझे टेस्ट से गुजरना होगा। आपको मुझे रिपोर्ट देनी होगी और फिर दिसंबर से पहले मुझे देखा होगा कि मैं एक और सीजन खेलने के लिए कितना मजबूत हूं।' उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर वह खेलने की स्थिति में नहीं हूँ, तो डॉक्टरों को उनकी सेहत का पूरा ध्यान रखना होगा, ताकि यह पुरानी गाड़ी सड़क पर अच्छी तरह चलती रहे।

चोट के कारण नहीं खेले धोनी

एमएस धोनी आईपीएल 2026 में फिटनेस संबंधी समस्याओं, खासकर पिंडली की परेशानी के कारण पूरे सीजन से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी चेन्नई सुपर किंग्स के प्रशंसकों के लिए निराशाजनक रही। अब सभी की नजरें उनकी फिटनेस और अगले सीजन में संभावित वापसी पर हैं। हालांकि, धोनी ने अभी आईपीएल 2027 में खेलने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

पिछले सीजन रहे निराशाजनक

चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी की कप्तानी में आखिरी बार 2023 में आईपीएल खिताब जीता था। 2024 से ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में खेल रही टीम को पिछले दो सीजन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली। टीम

2025 में अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही, जबकि 2026 में आठवें स्थान पर रही। ऐसे में धोनी की संभावित वापसी को लेकर प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है। हालांकि, टीम में उनकी भूमिका और अगले सीजन में खेलने की संभावना उनकी फिटनेस तथा अंतिम निर्णय पर निर्भर करेगी।

आरसीबी ने शानदार प्रदर्शन किया

एमएस धोनी ने कहा कि कागजों पर किसी टीम का मजबूत दिखना उतना मायने नहीं रखता, जितना मैदान पर सही दिन अच्छा प्रदर्शन करना। उनके मुताबिक, टी20 जैसे छोटे प्रारूप में शीर्ष टीमों के बीच अंतर बहुत कम होता है और एक मैच का प्रदर्शन नतीजा बदल सकता है। धोनी ने माना कि पिछले दो वर्षों में सीएसके का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा, जबकि आरसीबी ने लगातार बेहतर क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की उपलब्धियों को स्वीकार करने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए।

मुझे सपोर्टिंग एक्टर या कैरेक्टर एक्टर जैसे ठप्पे बिल्कुल नापसंद हैं



राम पोथिनेनी की फिल्म से तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं रितेश देशमुख

बॉलीवुड में अपनी दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता रितेश देशमुख अब तेलुगु सिनेमा में कदम रखने जा रहे हैं। एक्टर एनर्जेटिक स्टार राम पोथिनेनी की फिल्म के साथ रितेश अपने तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार हैं। मेकर्स ने फिल्म में उनकी एंट्री का ऐलान कर दिया है। खास बात यह है कि इन दिनों हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग चल रही है और वहां रितेश भी टीम के साथ जुड़ गए हैं। अब फिल्म के सेट से एक बिहाइंड द सीन्स वीडियो सामने आया है, जिसमें राम पोथिनेनी अभिनेता रितेश का गर्मजोशी से स्वागत करते और उन्हें गले लगाते नजर आ रहे हैं।

कौन करेगा फिल्म का निर्देशन
फिल्म में राम पोथिनेनी सिर्फ एक्टिंग ही नहीं कर रहे, बल्कि बतौर डायरेक्टर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। कृष्णा पोथिनेनी के प्रोडक्शन हाउस रापो सिनेमेटिक्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है, लेकिन यह इसी साल दिसंबर में आएगी।

क्या होगी फिल्म की कहानी
फिल्म की कहानी नियो-नोयर दुनिया में सेट है, जो इसके रहस्य और रोमांच को एक अलग अंदाज देने वाली है। अब 'एक विलेन', 'रेड 2' और 'राजा शिवाजी' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखा चुके रितेश देशमुख साउथ सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की स्क्रिप्ट और अपने किरदार से प्रभावित होकर रितेश ने इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भरी। फिल्म में उनका किरदार कहानी के लिहाज से बेहद अहम होने वाला है।



बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिव्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मों है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घुसखोर पंडत' को लेकर विवादों में रही थी। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इंटरव्यू में दिव्या दत्ता ने फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों के साथ होने वाले भेदभाव, उन्हें एक तय छवि में बांधने और लीड और को-एक्टर के बीच फर्क करने की सोच पर खुलकर बात की। दिव्या ने कहा कि हर कलाकार को उसकी प्रतिभा के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए। दोनों कलाकारों का मानना है कि ओटीटी के आने से इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और दर्शक भी अब कहानियों व किरदारों को ज्यादा बारीकी से समझने लगे हैं।

दिव्या दत्ता को पसंद नहीं 'सपोर्टिंग एक्टर' का टैग

कलाकारों को एक ही तरह की छवि में बांधने के मुद्दे पर दिव्या दत्ता ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उन्हें 'सपोर्टिंग एक्टर' और 'कैरेक्टर एक्टर' जैसे टैग बिल्कुल पसंद नहीं हैं। दिव्या ने कहा, 'मुझे सपोर्टिंग एक्टर या कैरेक्टर एक्टर जैसे ठप्पे बिल्कुल नापसंद हैं। क्योंकि जब आपको समझ नहीं आता कि किसी कलाकार को किस श्रेणी में रखा जाए, तो आप बस उसे एक आम और सीमित नजरिए से देखने लगते हैं।' उनका मानना है कि किसी कलाकार को एक तय श्रेणी में रखने से उसकी प्रतिभा को समझने का नजरिया सीमित हो जाता है।

हर कलाकार को एक ही कैटेगरी में क्यों बांधना?

दिव्या दत्ता ने कलाकारों को एक ही कैटेगरी में बांधने की सोच पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'लेकिन आप बस एक एक्टर क्यों नहीं

हो सकते? मैं एक फिल्म में विलेन का रोल कर सकता हूँ, तो दूसरी में लीड रोल भी कर सकता हूँ। मेरा एक शो (चिरेया) था, जो पूरी तरह से मेरे कंधों पर टिका था और उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप मुझे बस एक ही कैटेगरी में बांध दें।'

हम जिन सीन्स में होते हैं, हम उन सीन्स के हीरो होते हैं

दिव्या ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि लोगों के बीच एक ऐसी सोच बन गई है कि अगर हमें कोई और टैग नहीं मिल रहा है, तो शायद हम बहुत आलसी हैं, इसलिए चलो इन्हें बस सपोर्टिंग एक्टर ही कह देते हैं। हमें यह पसंद नहीं है, कृपया हमें ऐसा न कहें। हम खुद को एक पूर्ण एक्टर मानते हैं, जिन सीन्स में हम होते हैं, हम उन सीन्स के हीरो होते हैं।' दिव्या की इस बात से मनोज बाजपेयी भी सहमत नजर आए। दोनों का मानना है कि कलाकार को किसी एक टैग तक सीमित करने के बजाय उसके काम और एक्टिंग के आधार पर पहचान मिलनी चाहिए।

ओटीटी के आने से कलाकारों को मिल रहे बेहतर मौके

दिव्या दत्ता का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से फिल्म इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव हो रहा है। अब छोटे या सहायक किरदार निभाने वाले कलाकारों को भी अपना टैलेंट दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं। मनोज ने कहा, 'पहले, छोटे या सपोर्टिंग रोल करने वाले कई एक्टर के साथ काफी नाइसाफी होती थी, लेकिन अब हालात काफी बेहतर हैं। कई प्रड्यूसर्स अब इस बात का पूरा ध्यान रखते हैं कि सभी को एक जैसा सम्मान और मौके मिलें। खासकर ओटीटी के आने के बाद से चीजें पूरी तरह बदर गई हैं। हमें अपने देश में ओटीटी के आने का शुक्रगुजार होना चाहिए।'



दिसंबर में दूल्हा बनेंगे तेजा सज्जा

तेजा सज्जा फिलहाल शो 'द ट्रेसर्स तेलुगु' को होस्ट कर रहे हैं। इस बीच खबरें सामने आ रही हैं कि एक्टर जल्द ही शादी के बंधन में खुद इस बात की जानकारी शेयर की है।

तेजा सज्जा ने अपनी शादी के बारे में बात करते हुए कहा कि ये एक अरेंज मैरिज है, जो मेरे माता-पिता ने फिक्स की है। अपनी होने वाली दुल्हन के बारे में कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उनकी होने वाली पत्नी की परवरिश अमेरिका में हुई है। वह फिल्मी दुनिया की चकाचौंध से पूरी तरह दूर हैं। तेजा ने कहा, 'उनकी परवरिश अमेरिका में हुई है और उन्हें इस चमक-दमक के बारे में बिल्कुल जानकारी नहीं है। मुझे उनकी यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई और मैं चाहता हूँ कि आगे भी ऐसा ही रहे। उनके परिवार का फिल्मों से कोई संबंध नहीं है। वे टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करते हैं और वह अपने पिता के साथ काम करती हैं।'

खबरों के मुताबिक, तेजा सज्जा अपनी शादी को बेहद निजी रखना चाहते हैं। वह किसी बड़े समारोह के बजाय परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने का प्लान बना रहे हैं।

बताया जा रहा है कि उनकी सगाई नवंबर में हो सकती है, जबकि शादी दिसंबर में उदयपुर में होने की चर्चा है। तेजा ने अपनी निजी ज़िंदगी को हमेशा लाइमलाइट से दूर रखा है। शादी को लेकर भी वह इसी तरीके को अपनाना चाहते हैं। अभिनेता ने कहा, 'मैंने हमेशा अपनी निजी ज़िंदगी को पूरी तरह निजी रखा है और शादी के मामले में भी ऐसा ही करूंगा। यह एक छोटा समारोह होगा, जिसमें सिर्फ परिवार और करीबी दोस्त शामिल होंगे।'

राजस्थान के उदयपुर में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी करने के बाद तेजा सज्जा हैदराबाद में रिसोप्शन दे सकते हैं। इस समारोह में तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के कई कलाकारों और अन्य हस्तियों के शामिल होने की संभावना है।

शादी की खबरों के अलावा तेजा सज्जा अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी चर्चा में हैं। अभिनेता फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' एनएक्सटी एलवीएल' में मुख्य भूमिका में वापसी करेंगे। यह साल 2019 में आई फिल्म 'जॉम्बी रेड्डी' का सीक्वल है और इसका निर्देशन सुपर्ण एस वर्मा कर रहे हैं। इसके अलावा तेजा फिल्म 'जय हनुमान' में भी नजर आएंगे। इस फिल्म में वह एक बार फिर हनुमंथ का किरदार निभाएंगे, जबकि ऋषभ शेट्टी भगवान हनुमान की भूमिका में दिखाई देंगे।

जान्हवी कपूर के 'पेद्दी' विवाद पर बोलीं रश्मिका

शो 'कॉपी विद करण' के नौवें सीजन में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोडा पहुंचे। इस जोड़ी ने अपनी निजी ज़िंदगी से लेकर सिनेमा तक कई दिलचस्प मुद्दों पर बात की। इसी दौरान रश्मिका-विजय ने इंडस्ट्री में कॉस्ट्यूम की सीमाओं पर चर्चा की। उनका रिएक्शन 'पेद्दी' विवाद के बीच अभिनेत्रियों पर होने वाले दबाव का संकेत देता है।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने काम के दौरान कुछ पर्सनल बाउंड्री बनाने के महत्व पर खुलकर बात की। उन्होंने माना कि वे हमेशा रिस्क दिखाने में कम्फर्टबल नहीं होतीं। रश्मिका ने कहा कि कुछ किरदारों के लिए खास लुक्स की जरूरत हो सकती है। मगर, वे ज्यादा रिस्क शो के साथ

सहज नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ चीजें हैं, जहां मैं सहज नहीं हूँ। मुझे पता है कि कुछ कैरेक्टर्स को बिकिनी जैसी किसी चीज की जरूरत होती है, लेकिन मैं उसमें भी कहूंगी कि मैं एक्सपोज़िंग और रिस्क शो के साथ बहुत सहज नहीं हूँ। मैं उस तरह की इंसान नहीं हूँ।' रश्मिका ने माना कि कमर्शियल फिल्मों में कभी-कभी ऐसे कॉस्ट्यूम की जरूरत होती है, जिन्हें पहनकर परफॉर्म पूरी तरह से सहज महसूस न करें। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर को बिना डरे अपनी परेशानियां बतानी चाहिए। बाउंड्री बनानी चाहिए। एक्टर ने कहा, 'जब आप कमर्शियल फिल्में करते हैं, तो ऐसे कॉस्ट्यूम होंगे, जिनमें आप पूरी तरह से कम्फर्टबल नहीं होंगे। लेकिन साथ ही, कुछ

लाइनें होती हैं, जो मैं अपने लिए बनाती हूँ।' एक्टर ने कहा, 'ज्यादातर फिल्मों में डायरेक्टर इससे सहमत होते हैं और मैं ऐसे लोगों के साथ ही काम करना पसंद करती हूँ'।

क्या है जान्हवी कपूर से जुड़ा विवाद

फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर के किरदार की सोशल मीडिया पर आलोचना हुई। दर्शकों ने इसे हद से ज्यादा बोल्ड बताया। केमरा वर्क, रोमांटिक सीन और उनके फिजिकल अपीयरेंस पर फोकस करना भी विरोध का हिस्सा बन गया। बाद में जिन सीन को लेकर आलोचना हुई, उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। फिल्म के निर्देशक ने माफी भी मांगी थी।



'रामायण' की कहानियां सुनकर बड़े हुए, अब उसी का हिस्सा



नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में आदिनाथ कोटार भरत की भूमिका निभा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने शुरुआत में लक्ष्मण के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। करीब छह महीने बाद उन्हें फोन आया कि उन्हें भरत के रोल के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। फिल्म की शूटिंग के दौरान रणबीर कपूर के साथ उनका एक पुराना स्कूल कनेक्शन भी सामने आया। आदिनाथ ने बताया कि कैसे रणबीर ने पहले सीन के दौरान उन्हें एक खास सुझाव दिया।

पटकथा से वीएफएक्स तक, एक दशक से चल रहा है काम

आदिनाथ बताते हैं कि फिल्म की तैयारी कई साल पहले शुरू हो गई थी। वह कहते हैं, 'फिल्म की पटकथा पर 2016-17 से काम चल रहा है। वीएफएक्स पर 2018-19 से काम हो रहा है। दर्शक पर्दे पर जो देखने वाले हैं, उसके पीछे करीब एक दशक की मेहनत है। इसके लिए बहुत धैर्य, लगातार काम और शोध की जरूरत पड़ी है। पूरी टीम ने इस फिल्म के लिए बहुत मेहनत की है।' आदिनाथ का कहना है कि रामायण से उनका जुड़ाव बचपन से रहा है। ऐसे में इस कहानी का हिस्सा बनना

उनके लिए खास है। वह कहते हैं, 'रामायण की कहानियां सुनकर हम बड़े हुए हैं। यह हमारे दिल और आत्मा में बसी हुई है। इससे जुड़ी भावनाएं हमारे भीतर हैं। ऐसे में इस कहानी का हिस्सा बनना कैसा अनुभव है, इसे शब्दों में समझाना मुश्किल है।' भरत के किरदार की तैयारी के बारे में वह बताते हैं, 'जब मैं 'रामायण' के सेट पर जाता था, तो वहां एक दैवीय ऊर्जा महसूस होती थी। मैंने अपनी तरफ से तैयारी की, पढ़ाई की और रामायण से जुड़ी जितनी सामग्री मिल सकी, उसे पढ़ने की कोशिश की।

भरत के किरदार के लिए हुआ चयन
आदिनाथ ने बताया कि उन्होंने सबसे पहले लक्ष्मण की भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था। इसके बाद उन्हें भरत के किरदार के लिए चुने जाने की जानकारी मिली।

वह कहते हैं, 'मैंने सबसे पहले लक्ष्मण के किरदार के लिए ऑडिशन दिया था। यह करीब तीन-चार साल पहले की बात है। उसके लगभग छह महीने बाद मुझे फोन आया कि मुझे भरत के किरदार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।'

नकारात्मक प्रतिक्रियाएं एल्गोरिदम की वजह से ज्यादा दिखती हैं

'रामायण' को लेकर सोशल मीडिया पर आ रही

नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के बारे में आदिनाथ का कहना है कि वहां फिल्म को लेकर सकारात्मक उम्मीदें और उत्साह भी है। वह कहते हैं, 'सोशल मीडिया पर नकारात्मक प्रतिक्रियाएं एल्गोरिदम की वजह से भी ज्यादा दिखाई देती हैं। वहां सकारात्मक उम्मीदें और उत्साह भी है। मुझे फिल्म के निर्माताओं की मेहनत और ईमानदारी पर भरोसा है।' फिल्म की कुछ पंक्तियों की डबिंग करते समय आदिनाथ को फिल्म की दुनिया की एक झलक देखने को मिली। इसे देखकर वह इतने भावुक हो गए कि उनकी आवाज भर गई वह कहते हैं, 'कुछ समय पहले मुझे फिल्म की कुछ पंक्तियों की

डबिंग करनी थी। उस दौरान मुझे नितेश सर और नमित सर की बनाई दुनिया की एक झलक देखने को मिली। मैं भावुक होकर रो पड़ा। स्क्रीन और माइक के सामने खड़े-खड़े मेरी आवाज भर गई। यह अहसास बहुत भावुक कर देने वाला था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा हूँ।' आदिनाथ इस फिल्म से अपने जुड़ाव को दैवीय अनुभव मानते हैं। वह कहते हैं, 'रामायण मेरे लिए दैवीय हस्तक्षेप जैसी है। कभी-कभी मुझे लगता है कि मैंने अपनी ज़िंदगी में या पिछले जन्म में कुछ अच्छा किया होगा, जिसकी वजह से मुझे इस पवित्र प्रक्रिया का हिस्सा बनने का मौका मिला।'

'रामायण' के सेट पर फिर याद आए पुराने दिन

रणबीर कपूर और आदिनाथ कोठारे मुंबई के बॉम्बे स्कॉटिश स्कूल में पढ़ चुके हैं। रणबीर उनसे सीनियर थे। 'रामायण' के सेट पर मुलाकात हुई, तो आदिनाथ ने उन्हें स्कूल के दिनों की बात याद दिलाई। वह बताते हैं, 'रणबीर कपूर और मैं एक ही स्कूल, बॉम्बे स्कॉटिश में पढ़ते थे। वह मुझसे सीनियर थे। जब मैं छठी या सातवीं कक्षा में था, तब हमारे एक साझा दोस्त बिनोय गांधी ने उनसे मेरा परिचय कराया था। 'रामायण' के सेट पर उनसे मिला, तो मैंने उन्हें यह बात याद दिलाई।' फिल्म में दोनों का पहला सीन स्वयंवर के प्रसंग का था। उस दृश्य में रणबीर राम, रवि दुवे लक्ष्मण और आदिनाथ भरत की भूमिका में थे। पहले दिन रणबीर ने आदिनाथ को एक सुझाव दिया, जो उनके काम आया।



